राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 08 अक्टूबर 2025

वर्ष 14,अंक 176, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

2 साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी की सिरप पर बैन....छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को निर्देश जारी..03

धरा पंचायत में भ्रष्टाचार का करंट, पुराना टांग कर किया खेल ।- पंचायत भवन अंधेरे में डूबा..04

जाकिर नाइक को तुरंत भारत के हवाले कर देंगे... मलेशिया के राजदूत ने दिया भरोसा, लेकिन रखी एक शर्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलेशिया ने भारत को जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण पर पूरा भरोसा दिया है. मलेशिया के भारत में उच्चायुक्त दातो मुजाफर शाह मुस्तफा ने कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत मलेशिया पूर्ण सहयोग करेगा. लेकिन उन्होंने साफ किया कि यह सब कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया से ही होगा. उच्चायुक्त का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस महीने के अंत में कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन होने वाला है, जहां भारत और मलेशिया के नेता कई मुद्दों पर बात करेंगे।

जाकिर नाइक भारत के खिलाफ बयानबाजी के लिए जाना जाता है. उस पर मनी लॉन्ड्रिंग, नफरत फैलाने और युवाओं को उग्रवाद की ओर भड़काने के गंभीर आरोप हैं. 2016 में भारत छोड़ने के बाद वह मलेशिया पहुंचा था, जहां उन्हें स्थायी निवास मिल गया. भारत ने 2018 से उसका प्रत्यर्पण मांग रहा है, लेकिन मलेशिया की अदालत में मामला अटका हुआ है. उच्चायुक्त मुजाफर शाह ने ने कहा, हमारे पास भारत के साथ द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि है. प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है. जाकिर नाइक का केस मलेशिया की अदालत में चल रहा है और फैसला न्यायिक विचार के आधार पर होगा।

भारत जो कारण देगा, मानेंगे

मलेशिया के राजदूत ने कहा, भारत सरकार जो भी सबूत या कारण देगी, उसके आधार पर ही आगे बढ़ा जाएगा. लेकिन मलेशिया सरकार का इसमें कोई सीधा दखल नहीं है. यह बयान मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के अगस्त 2024 के भारत दौरे के बाद आया है. तब उन्होंने कहा था कि अगर भारत ठोस सबूत देगा, तो प्रत्यर्पण पर विचार किया जाएगा. अब उच्चायुक्त का बयान उसी दिशा में सकारात्मक संकेत देता है. जाकिर नाइक का मामला भारत-मलेशिया रिश्तों में लंबे समय से रुकावट बना हुआ है. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2017 में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की. आरोप है कि उनके भाषणों ने 2016 के बांग्लादेश हमले को प्रेरित किया. एनआईए ने उग्रवाद भड़काने, सांप्रदायिक नफरत फैलाने और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले दर्ज किए. भारत ने इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस भी मांगा, लेकिन तीन बार असफल रहा क्योंकि सबूत पर्याप्त नहीं माने गए।

मलेशिया ने दी है शरण

मलेशिया ने नाइक को शरण दी, लेकिन भारत की मांग को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया. 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने कहा था कि मलेशिया को प्रत्यर्पण से इनकार का हक है. लेकिन अनवर इब्राहिम की सरकार ने नरमी दिखाई. अगस्त 2024 में उन्होंने कहा, अगर भारत सबूत देगा, तो हम हिचकिचाएंगे नहीं. उच्चायुक्त का ताजा बयान भी यही दोहराता है कि सहयोग होगा, लेकिन कानून के दायरे में. भारत सरकार ने जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण को प्राथमिकता दी हुई है. विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि कानूनी सहायता संधि (एमएलएटी) के तहत प्रक्रिया चल रही है. एनआईए और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मलेशिया को कई दस्तावेज भेजे हैं. ईडी ने 2019 में मुंबई कोर्ट से नॉन-बेलेबल वारंट मांगा था. उसके बाद इंटरपोल से मदद ली गई, लेकिन मलेशिया ने कहा कि मामला अदालत में है।

भारत मलेशिया के रिश्ते नई ऊंचाई पर

उच्चायुक्त मुजाफर शाह ने साक्षात्कार में भारत-मलेशिया संबंधों की सराहना की. उन्होंने कहा कि हाल के प्रधानमंत्री के भारत दौरे ने रिश्तों को नई ऊंचाई दी. दोनों देश अब व्यापक रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं. व्यापार, सुरक्षा और लोगों के संपर्क में इजाफा हो रहा है. 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 15 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच गया. आसियान शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनवर इब्राहिम के बीच यह मुद्दा उठ सकता है. जाकिर नाइक मलेशिया में अभी भी सक्रिय हैं. वे वहां धार्मिक सभाएं आयोजित करते हैं और सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स के साथ जुड़े रहते हैं. मलेशिया में उन्हें कुछ समुदायों में लोकप्रिय माना जाता है, लेकिन विवाद भी साथ चलता रहता है. भारत में उनके भाषणों को नफरत भरी हेट स्पीच कहा जाता है. एनआईए का दावा है कि नाइक की 'पर्सनालिटी कल्ट' ने कई युवाओं को गुमराह किया।

बयान क्यों बड़ी बात

विशेषज्ञों का मानना है कि मलेशिया का यह रुख सकारात्मक कदम है. पूर्व राजनयिक एन.के. सिंह ने कहा, "कानूनी प्रक्रिया का जिक्र अच्छा संकेत है. भारत को मजबूत सबूत पेश करने चाहिए." लेकिन कुछ आलोचक कहते हैं कि मलेशिया राजनीतिक दबाव में नहीं आएगा. मुस्लिम बहुल मलेशिया में नाइक को अल्पसंख्यक अधिकारों से जोड़ा जाता है. सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ी हुई है. एक पोस्ट में लिखा गया, "मलेशिया ने कहा कि संधि के तहत सहयोग करेंगे, लेकिन कानूनी प्रक्रिया जरूरी।

जयशंकर ने क्या कहा था?

भारत सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रत्यर्पण में कोई जल्दबाजी नहीं होगी. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में संसद में बताया कि कई देशों के साथ ऐसे केस चल रहे हैं. जाकिर नाइक का मामला उनमें अहम है. अगर मलेशिया सहयोग करता है, तो यह भारत की बड़ी कूटनीतिक और कानूनी जीत होगी. यह बयान भारत-मलेशिया के मजबूत होते रिश्तों में नया अध्याय जोड़ता है. दोनों देश दक्षिण-पूर्व एशिया में सहयोग बढ़ा रहे हैं. लेकिन जाकिर नाइक का केस अभी सुलझा नहीं. मलेशिया की अदालत का फैसला निर्णायक साबित होगा. उच्चायुक्त ने अंत में कहा, "हमारे संबंध मजबूत हैं. यह मुद्दा उन्हें प्रभावित नहीं करेगा।

चीफ जस्टिस गवई की मां और बहन ने हमले का किया विरोध, कहा-ये जहरीली विचारधारा, अराजकता फैलाने का अधिकार किसी को नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की ओर कथित रूप से जूता फेंकने की कोशिश का सीजेआई की मां और उनकी बहन ने कड़ा विरोध जताया है. सीजेआई की मां कमलाताई गवई ने कहा कि किसी को भी कानून हाथ में लेकर अराजकता फैलाने का अधिकार नहीं है. वहीं हमले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बहन कीर्ति ने कहा कि ये जहरीली विचारधारा है और अराजकता फैलाने का अधिकार किसी को नहीं है. मुख्य न्यायाधीश गवई पर हमले की हर ओर निंदा की जा रही है. सीजेआई की मां कमलाताई गवई ने कहा, "डॉक्टर भीमराव आंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान आप जीएं और दूसरों को भी जीने दें के सिद्धांत पर आधारित है. किसी को भी कानून हाथ में लेकर अराजकता फैलाने का अधिकार नहीं है."उन्होंने यह भी कहा कि सभी को अपने मुद्दे शांति और संवैधानिक मार्ग से ही सुलझाने चाहिए।

व्यक्तिगत हमला नहीं, जहरीली विचारधारा: CJI गवई

जस्टिस गवई पर हमले की तीखी निंदा करते हुए बहन कीर्ति गवई ने कहा, ÷कल की घटना देश पर कलंक लगाने वाली और निंदनीय घटना है. यह केवल व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि एक जहरीली विचारधारा है, जिसे रोकना ही होगा. असंवैधानिक आचरण करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा, "हमें संविधान के स्तर पर और शांतिपूर्ण तरीके से ही विरोध दर्ज करना चाहिए ताकि बाबासाहेब के विचारों को कोई आंच न आए."दूसरी ओर, भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने सीजेआई गवई की ओर कथित रूप से जूता फेंकने की कोशिश करने के आरोपी वकील राकेश किशोर को कल सोमवार को ही तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया. अदालती कार्यवाही के दौरान घटी इस अभूतपूर्व घटना से सीजेआई अविचलित रहे और उन्होंने कोर्ट के अधिकारियों और कोर्ट रूम में मौजूद सुरक्षाकर्मियों से इसे नजरअंदाज करने और राकेश किशोर नामक दोषी वकील को चेतावनी देकर छोड़ देने को कहा।

PM मोदी समेत कई नेताओं ने की हमले की निंदा

हालांकि इस हमले को लेकर हर ओर कड़ी निंदा की जा रही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई बड़े नेताओं ने भी निंदा की है. पीएम मोदी ने सीजेआई गवई से बातकर एक वकील की ओर से उन पर जूता फेंकने की कोशिश की निंदा की और कहा कि इस हमले से हर भारतीय नाराज है. उन्होंने कहा कि हमारे समाज में इस तरह के निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है. साथ ही पीएम ने घटना के बाद शांति बनाए रखने के लिए सीजेआई की जमकर तारीफ भी की. बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी निंदा करते हुए कहा कि सीजेआई गवई पर हमला शर्मनाक है और इसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

एसआईआर के तहत हटाए गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा दें, सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग से बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तैयार अंतिम चुनावी सर्वेक्षण से बाहर रखे गए 3.66 लाख मतदाताओं का ब्योरा उपलब्ध कराने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से बिहार एसआईआर के तहत बाहर रखे गए मतदाताओं का विवरण 9 अक्टूबर तक देने के लिए कहा है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि एसआईआर की अंतिम मतदाता सूची में जोड़े गए ज्यादातर नाम नए मतदाताओं के हैं और कुछ पुराने मतदाताओं के हैं। बिहार एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अब तक किसी भी बाहर रखे गए मतदाता द्वारा कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की गई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग बाहर रखे गए मतदाताओं के बारे में जो भी उनके पास है, उसे गुरुवार (9 अक्टूबर) तक पेश करेगा। इसके बाद एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आगे की सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि सभी के पास मसौदा मतदाता सूची है और अंतिम सूची भी 30 सितंबर को प्रकाशित हो चुकी है, इसलिए तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से आवश्यक आंकड़े उपलब्ध कराए जा सकते हैं। न्यायमूर्ति बागची ने चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी से कहा कि अदालती आदेशों के परिणामस्वरूप चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और पहुंच बढ़ी है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि प्रभावित/हटाई गई सूची में शामिल किसी भी मतदाता ने अदालत का रुख नहीं किया है और न ही अपील दायर की है, बल्कि दिल्ली में बैठे राजनेता और गैर-सरकारी संगठन ही इस मुद्दे को उठा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई गुरुवार (9 अक्टूबर) को करेगा।

संक्षिप्त ख़बरें

किडनी के मरीज बच्चों के इलाज का पूरा खर्च सरकार करेगीज्स्टरू मोहन यादव का बड़ा ऐलान

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किडनी संक्रमित बच्चों के उपचार के लिए बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि किडनी के मरीज बच्चों के इलाज में होने वाला सारा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा. सीएम यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा जिले के 7 और बैतूल जिले के 2 बच्चों का उपचार नागपुर के चिकित्सा संस्थानों में हो रहा है. नागपुर के अस्पतालों में बच्चों के उपचार की व्यवस्था की गई है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किडनी संक्रमण से प्रभावित बच्चों का अच्छे से अच्छा उपचार हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं. नागपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज सहित एम्स अस्पताल,कलर्स हॉस्पिटल, न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल और गेटवेल हॉस्पिटल में बच्चों का इलाज जारी है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि कलेक्टर छिंदवाड़ा और बैतूल द्वारा बच्चों के परिवारों से सतत संपर्क रखते हुए आवश्यक सहायता दी जा रही है. भोपाल से भी बच्चों के उपचार और स्वास्थ्य लाभ की नियमित जानकारी प्राप्त की जा रही है. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 9 बच्चों के उपचार के लिए पूरी रकम प्रभावित परिवारों को राशि उपलब्ध करवाने को कहा है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर छिंदवाड़ा ने नागपुर में उपचार करवा रहे बच्चों की सहायता के लिए तीन दल गठित किए हैं. इन दलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेट सहित एक विशेषज्ञ चिकित्सक को दायित्व दिया गया है. इन दलों द्वारा प्रभावित परिवारों से सतत संपर्क किया जा रहा है जिससे उपचार में किसी तरह की कोई समस्या न हो।

नवागंतुक पुलिस आयुक्त ने कार्यभार ग्रहण किया

कानपुर। नवागंतुक पुलिस आयुक्त 1997 बैच के IPS रघुवीर लाल के द्वारा आज दिनांक 07.10.25 को कानपुर नगर में आगमन कर कमिश्नरेट कानपुर पुलिस का कार्यभार ग्रहण किया गया तथा पूर्व पुलिस आयुक्त अखिल कुमार द्वारा बधाईयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गयी।

हे भगवान ऐसी औलाद किसी को न दे! गंगा स्नान कराने के बहाने मां को वृद्धाश्रम छोड़ आया बेटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जौनपुर- उम्र के उस पड़ाव पर जब इंसान अपने बच्चों के साथ सुकून के दो पल बिताने का सपना देखता है, वहीं किसी मां के हिस्से आया सिर्फ इंतज़ार और अकेलापन. यह कहानी है प्रयागराज की मीरा देवी की, जिनकी जिंदगी अब वृद्धाश्रम की दीवारों में सिमट गई है. मीरा देवी ने अपनी जिंदगी का हर लम्हा अपने बेटे के लिए जिया. पति का साथ जवानी में ही छूट गया था, फिर उन्होंने बेटे को पालने के लिए दिन-रात मेहनत की. कभी दूसरों के घरों में बर्तन मांजे, कभी कपड़े धोए, लेकिन बेटे की पढ़ाई में कमी नहीं आने दी. उनका सपना था कि बेटा एक दिन बड़ा आदमी बने और वही हुआ. बेटा अब दवाओं का बड़ा व्यापारी है, शहर में नाम है, पैसा है, शान है, लेकिन उस शान के बीच मां के लिए जगह नहीं बची. मीरा देवी की आंखें आज भी उस दिन को नहीं भूल पातीं. जब बेटे ने कहा कि मां, चलो गंगा स्नान के लिए चलते हैं. वह खुश हो गईं. सालों बाद बेटे के साथ बाहर निकलने का मौका मिला था. उन्होंने नई साड़ी पहनी, माथे पर लाल बिंदी लगाई और बेटे के साथ गाड़ी में बैठ गईं. पर गंगा किनारे नहीं, वृद्धाश्रम के दरवाजे पर गाड़ी रुकी. बेटा बोला 'मां, आप यहीं थोड़ी देर बैठिए, मैं दवा की दुकान से होकर आता हूं'. घंटों बीत गए, शाम हो गई, लेकिन बेटा नहीं लौटा. तब वृद्धाश्रम की देखरेख करने वाली महिला ने कहा कि बेटा तो चला गया मां, अब यही आपका घर है।

मीरा देवी की आंखों से आंसू बह निकले और उन्होंने आसमान की ओर देखा जैसे भगवान से पूछ रही हो क्या यही है बेटे को पालने की सजा. आज मीरा देवी वृद्धाश्रम में रह रही हैं. उनके पास पुराने दिनों की यादें हैं. वह बचपन जब बेटा उनकी गोद में सोया करता था, जब ठंड में वह उसके लिए ऊनी स्वेटर बुनती थीं, लेकिन अब वह बेटा दूर है, शायद अपनी नई जिंदगी में मां के लिए जगह नहीं बची. वृद्धाश्रम की दीवारों के बीच मीरा देवी कई बार अपने कमरे में बैठकर कहती है कि बेटे को कभी ठंडी हवा भी लग जाती थी, तो मैं रातभर उसके सिरहाने बैठी रहती थीज पर आज मैं बीमार हूं, तो पूछने वाला कोई नहीं. उनकी यह कहानी सिर्फ एक मां की नहीं, बल्कि उन तमाम माओं की दास्तान है, जिन्हें आखिरी पड़ाव में अपने ही बच्चों से दूरी मिलती है. यह समाज के लिए एक आईना है, जहां हर कोई अपने माता-पिता को भगवान कहता है, लेकिन जब वक्त आता है साथ निभाने का, तो वही भगवान अकेले छोड़ दिए जाते हैं. मीरा देवी की आंखों में आज भी उम्मीद बाकी है. शायद कभी उसका बेटा लौट आए, कहे ÷मां, चलो घर चलें. पर अब वह जानती हैं, घर सिर्फ दीवारों का नाम नहीं होता, घर वो होता है, जहां अपने हों. आखिरी पड़ाव पर मीरा देवी अकेली हैं- और हजार तनाव उनके साथ हैं।

'सर प्लीज़ छोड़ दीजिए मैंने कुछ नहीं किया', रहम की भीख मांगते रहे छात्र, लात-घूंसे बरसाते रहे दारोगा जी

●गाली-गलौज भी किया; कानपुर में चौकी इंचार्ज सस्पेंड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर- उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में बीते रविवार ओवरस्पीड के आरोप में पकड़े गए छात्र को दरोगा ने जमकर पीट दिया था। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इस मामले में लाइन हाजिर हुए चौकी इंचार्ज अमित विक्रम त्रिपाठी को अब सस्पेंड कर दिया गया है। डीसीपी साउथ ने मामले की जांच एसीपी नौबस्ता को सौंपी है।

"मैं किसी से नहीं डरता!"

दरअसल, कानपुर के किदवई नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात पुलिसिया रौब का ऐसा नजारा सामने आया, जिसने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। ओवर स्पीड में बाइक चला रहे नारामऊ निवासी अक्षय प्रताप सिंह और शिवराजपुर निवासी दोस्त अभिषेक दुबे को चौकी प्रभारी अमित विक्रम त्रिपाठी को इतना 'गंभीर अपराध' लगा कि मामला ट्रैफिक नियमों से निकलकर सीधे थप्पड़-लातों की कक्षा में पहुंच गया। छात्र ने जब अपनी गलती जानने की कोशिश की तो चौकी प्रभारी और सिपाहियों ने गालियों से नवाजते हुए सड़क किनारे ही थप्पड़ों की बरसात शुरू कर दी। यही नहीं, दरोगा साहब बोले – "मैं किसी से नहीं डरता!"और फिर छात्र को खींचकर चौकी के बाहर ही पीटा गया।

पुलिस महकमे में हड़कंप

छात्र की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। अगर वीडियो न बनता तो शायद कोई यकीन ही न करता कि कानून सिखाने वाले ही कानून तोड़ने में आगे हैं।

छात्र रोते-बिलखते गुहार लगाते रहे

"अंकल, सर प्लीज़ छोड़ दीजिए मैंने कुछ नहीं किया"लेकिन चौकी इंचार्ज साहब ने एक न सुनी। उल्टा पीटने के बाद फरमाया, "परेशान न हो अंदर चलो, सब ठीक कर देंगे।" जैसे ही मामला तूल पकड़ा, डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने अमित त्रिपाठी को लाइन हाजिर कर जांच के आदेश दे दिए। इस हल्की कार्रवाई पर सवाल खड़े हुए तो निलंबन का आदेश जारी कर दिया गया।

शराब घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र और दीपेन्द्र को भेजा जेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ईओडब्ल्यू ने 3200 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में पूछताछ करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र चैतन्य और दीपेन्द्र चावड़ा को 13 अक्टूबर तक के लिए जेल भेज दिया है। दोनों को विशेष न्यायाधीश की अदालत में सोमवार को पेश किया गया।

दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद आदेश जारी

अभियोजन पक्ष ने बताया कि उनकी पूछताछ पूरी हो चुकी है। इस समय प्रकरण की जांच चल रही है। इसे देखते हुए चैतन्य और दीपेन्द्र को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का अनुरोध किया। वहीं, बचाव पक्ष के अधिवक्ता फैजल रिजवी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि ईडी को 3 महीने और ईओडब्ल्यू को दो महीने के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। चैतन्य की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने पर अभियोजन पक्ष के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया है कि 3 महीने में जांच पूरी कर ली जाएगी। दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश ने स्वीकार करते हुए जेल रिमांड आदेश जारी किया।

मनी लॉन्ड्रिंग की जांच, गिरफ्तार किया

बता दें कि ईडी ने शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच करने के लिए 18 जुलाई को चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने के बाद जेल भेज दिया था। इसी प्रकरण में दर्ज प्राथमिकी की जांच करने के ईओडब्ल्यू ने जेल में बंद चैतन्य को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पुलिस रिमांड पर लिया था। इसकी अवधि पूरी होने पर फिर से जेल भेज दिया गया है।

जमानत के लिए आवेदन

शराब घोटाले में जेल भेजे गए चैतन्य बघेल की ओर से लगाए गए जमानत आवेदन पर 8 अक्टूबर को सुनवाई होगी। ईओडब्ल्यू के विशेष न्यायाधीश की अदालत में लगाए गए आवेदन में बताया गया है कि शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए लक्ष्मीनारायण उर्फ पप्पू बंसल के बयान के आधार पर चैतन्य को आरोपी बनाया है। जबकि उसे फरार घोषित किया गया है। बिना किसी पुख्ता साक्ष्य एक आरोपी के बयान के आधार पर उनके पक्षकार के खिलाफ अपराध नहीं बनता है। इसी प्रकरण में 29 लोगों को बिना गिरफ्तार किए चालान पेश किया गया है। वहीं, 10 लोगों को जमानत पर रिहा किया जा चुका है। इसे देखते हुए चैतन्य को जमानत दिए जाने का अनुरोध किया गया है। इस आवेदन पर विशेष न्यायाधीश दोनों पक्षों का तर्क सुनने के बाद अपना फैसला सुनाएंगे।

अपने लोगों पर बमबारी-4 लाख महिलाओं का गैंगरेप... भूल गए?, UN में भारत ने फिर पाकिस्तान को लताड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकिस्तान को एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर फटकार लगी है. भारत ने फिर से पाकिस्तान को जमकर लताड़ा है. संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और उसकी पाखंडी नीतियों और झूठे प्रचार को उजागर किया. भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र की सभा में पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर पर बार-बार दोहराए जाने वाले निराधार दावों को खारिज कर कड़ा रुख अपनाया. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हर साल जम्मू-कश्मीर को लेकर भ्रामक और अतिशयोक्तिपूर्ण बयानबाजी करता है. यह वही देश है, जो अपने ही नागरिकों पर बमबारी करता है और नरसंहार को अंजाम देता है. भारत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा । संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश ने अपने बयान में पाकिस्तान की कथनी और करनी के बीच के अंतर को बेनकाब किया. उन्होंने 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने अपनी ही सेना के जरिए 400,000 महिलाओं के खिलाफ सुनियोजित सामूहिक बलात्कार और नरसंहार की नीति को अंजाम दिया था. यह एक ऐसा काला इतिहास है, जिसे दुनिया भूल नहीं सकती. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो देश अपने लोगों के खिलाफ इस तरह की क्रूरता करता हो, वह भारत के खिलाफ महिलाओं, शांति और सुरक्षा के मुद्दे पर उंगली उठाने की हिम्मत कैसे करता है. भारत का इस क्षेत्र में रिकॉर्ड बेदाग और प्रेरणादायक है, जिसे कोई दागदार नहीं कर सकता।

पाक का झूठ बेनकाब

उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान की यह रणनीति केवल दुनिया का ध्यान भटकाने की कोशिश है. वह अपनी विफलताओं और आतंकी गतिविधियों को छिपाने के लिए भारत पर आधारहीन आरोप लगाता है. भारत के राजदूत हरीश ने जोर देकर कहा कि वैश्विक समुदाय पाकिस्तान के इस प्रचार को स्पष्ट रूप से देखता और समझता है. उन्होंने पाकिस्तान को सलाह दी कि वह अपनी आंतरिक समस्याओं, आतंकवाद को पनाह देने और मानवाधिकार उल्लंघनों पर ध्यान दे, बजाय भारत के खिलाफ झूठी कहानियां गढ़ने के।

बार-बार भारत ने पाक को रगड़ा

यह पहली बार नहीं है, जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया हो. भारत ने बार-बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय को याद दिलाया है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगाह रहा है और अपनी धरती पर आतंकी संगठनों को पनपने देता है. हरीश के इस बयान से भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह की भ्रामक बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगा और हर मंच पर पाकिस्तान के झूठ का पर्दाफाश करेगा।

त्याग, बलिदान और दूरदृष्टि के युगपुरुष—गुरु गोबिंद सिंह

जहाँ शक्ति और भक्ति मिले—वही गुरु गोबिंद सिंह

जब शौर्य, अध्यात्म और त्याग का अद्भुत संगम एक व्यक्तित्व में साकार होता है, तो वह न केवल नायक, अपितु युगपुरुष के रूप में इतिहास के पन्नों पर अमर हो जाता है। गुरु गोबिंद सिंह जी ऐसे ही युगपुरुष थे, जिनका जीवन धर्म की रक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि मानवता, न्याय और आत्मसम्मान का प्रबल संदेश देता है। 7 अक्टूबर 1708 को नांदेड़ में उनकी शहीदी तिथि, केवल एक घटना नहीं, बल्कि उनके अमर आदर्शों और चिंतन की सशक्त गूँज है, जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रेरणादायी है, जितनी तीन शताब्दियों पूर्व थी। उनकी पुण्यतिथि सिख समुदाय ही नहीं, अपितु समस्त विश्व के लिए एक पवित्र अवसर है, जो हमें उनके जीवन की उन गहन और प्रायः अनछुई गहराइयों को समझने का अवसर प्रदान करता है, जो सामान्य चर्चाओं में अक्सर ओझल रहती हैं। गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म उस युग में हुआ, जब भारत मुग़ल शासन के अंधकार और धार्मिक उत्पीड़न के बोझ तले दबा था। सामाजिक असमानता और अन्याय ने समाज की नींव को खोखला कर दिया था। उनके पिता, गुरु तेग बहादुर जी, ने कश्मीरी पंडितों की रक्षा हेतु अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। मात्र नौ वर्ष की आयु में गुरु बनने वाले गोबिंद राय, जो बाद में गुरु गोबिंद सिंह के रूप में विख्यात हुए, ने इस पवित्र विरासत को न केवल संभाला, बल्कि इसे एक नई दिशा और ऊँचाई प्रदान की। उनकी असाधारण विशेषता थी युद्ध और शांति, तलवार और कलम, भक्ति और शक्ति का अनुपम समन्वय। उनकी रचनाएँ, जैसे दसम ग्रंथ में संकलित 'ज़फ़रनामा' और 'चंडी दी वार', केवल साहित्यिक कृतियाँ नहीं, बल्कि साहस, नैतिकता और आत्मिक जागृति का शंखनाद हैं। 'ज़फ़रनामा' (विजय पत्र) में औरंगज़ेब को लिखा उनका पत्र एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ है, जो सत्य की निर्भीक अभिव्यक्ति और नैतिक दृढ़ता का प्रतीक है। कम लोग जानते हैं कि इस पत्र में उन्होंने न केवल मुग़ल सम्राट की क्रूरता का दर्पण दिखाया, बल्कि उसे धर्म, नैतिकता और मानवीय मूल्यों का पाठ भी पढ़ाया। 1699 की बैसाखी पर खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह जी का वह क्रांतिकारी कदम था, जिसने न केवल सिख इतिहास, बल्कि विश्व इतिहास को एक नई दिशा दी। यह केवल सैन्य संगठन नहीं था, अपितु एक सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक क्रांति थी, जिसने मानवता को शुद्धता, समानता और साहस का मार्ग दिखाया। 'खालसा' अर्थात् शुद्ध, वह जो न केवल आत्मा, बल्कि विचार, कर्म और जीवन से पवित्र हो। पंज प्यारों का चयन—एक ब्राह्मण, एक क्षत्रिय और तीन शूद्र वर्ग से—जाति और वर्ग की दीवारों को ध्वस्त करने का सशक्त संदेश था। कम लोग जानते हैं कि गुरु ने खालसा पंथ में महिलाओं को भी समान दर्जा प्रदान किया। सिख महिलाओं को 'कौर' अर्थात् राजकुमारी की उपाधि देकर उन्होंने नारी को सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त किया। उस युग में, जब नारी को हाशिए पर रखा जाता था, यह कदम क्रांतिकारी था और समानता का अमर संदेश देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन केवल युद्ध और वीरता तक सीमित नहीं था; उनकी पर्यावरणीय और सामुदायिक चेतना भी उतनी ही प्रेरणादायी थी। आनंदपुर साहिब में उन्होंने न केवल सैन्य प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए, बल्कि एक ऐसे समुदाय का निर्माण किया, जहाँ शिक्षा, कला, धर्म और संस्कृति का अनुपम समन्वय था। उनकी रचनाएँ, जैसे दसम ग्रंथ की काव्य रचनाएँ, प्रकृति के सौंदर्य और मानवीय मूल्यों के बीच गहन संतुलन को दर्शाती हैं। ये रचनाएँ आज के पर्यावरणीय संकट के दौर में भी प्रासंगिक हैं, जो हमें प्रकृति और मानवता के सह-अस्तित्व की सीख देती हैं। उनकी शिक्षाएँ समाज को आत्मनिर्भर, संगठित और नैतिक बनाने का आह्वान करती थीं, जो युद्ध के मैदान से लेकर शांतिपूर्ण जीवन तक समान रूप से लागू होती थीं। उनके जीवन का सबसे मार्मिक और प्रेरणादायी पहलू था उनका असीम त्याग। चार साहिबजादों—अजित सिंह, जुझार सिंह, ज़ोरावर सिंह और फतेह सिंह—का बलिदान विश्व इतिहास में अनुपम है। चमकौर के युद्ध में बड़े साहिबजादों ने अप्रतिम वीरता का प्रदर्शन किया, तो छोटे साहिबजादों ने सरहिंद में दीवारों में चिनवाए जाने के बावजूद धर्म और सत्य पर अटल रहकर मानवता को एक अमर प्रेरणा दी। गुरु की पत्नियाँ, माता सुंदरी और माता साहिब कौर, ने इस अथाह दुख को सहन किया, पर गुरु का हृदय कभी नहीं डगमगाया। उनकी उक्ति—"चार मुए तो क्या हुआ, जीवत कई हजार"—केवल शब्द नहीं, बल्कि एक युगपुरुष की अटूट आस्था, सामूहिक चेतना और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक है। कम लोग इस तथ्य पर ध्यान देते हैं कि गुरु ने अपने परिवार के बलिदान को व्यक्तिगत क्षति के रूप में नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रेरणास्रोत के रूप में देखा। यह उनकी दूरदृष्टि और महानता का प्रमाण है, जो हमें सिखाता है कि सत्य और न्याय के लिए किया गया त्याग कभी व्यर्थ नहीं जाता। नांदेड़ में गुरु गोबिंद सिंह जी के अंतिम दिन उनकी दार्शनिक गहनता और आध्यात्मिक ऊँचाइयों के साक्षी हैं। गुरु ग्रंथ साहिब को शाश्वत गुरु घोषित करने का उनका ऐतिहासिक कदम उनकी दूरदर्शिता और सत्य के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक था। यह निर्णय दर्शाता है कि सत्य और ज्ञान किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं, बल्कि शास्त्र की पवित्र वाणी और सामूहिक चेतना में सदा जीवंत रहते हैं। कम लोग इस तथ्य पर ध्यान देते हैं कि अपने अंतिम क्षणों में भी गुरु ने युद्ध और शांति के

बीच अद्भुत संतुलन बनाए रखा। वास्की के विश्वासघाती हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने क्षमा और शांति का मार्ग अपनाया, पर साथ ही अपने अनुयायियों को अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध सदा सजग और संघर्षरत रहने का अमर संदेश दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन केवल सिख इतिहास का गौरवशाली अध्याय नहीं, बल्कि समस्त मानवता के लिए एक प्रेरणादायी महाकाव्य है। उनकी शिक्षाएँ—जो साहस, समानता, आत्मसम्मान और मानवता की सेवा पर आधारित हैं—आज भी उतनी ही प्रासंगिक और प्रबल हैं। उनकी पुण्यतिथि, 7 अक्टूबर, हमें न केवल उनके बलिदानों की स्मृति दिलाती है, बल्कि यह आह्वान भी करती है कि धर्म का सच्चा अर्थ है सत्य और न्याय के लिए डटकर खड़ा होना, भले ही इसके लिए सर्वस्व का त्याग करना पड़े। उनकी विरासत एक चिरस्थायी दीपस्तंभ है, जो अंधकारमय समय में भी मार्गदर्शन करता है और हमें अन्याय के खिलाफ निर्भीकता से आवाज़ उठाने की प्रेरणा देता है। गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन हमें सिखाता है कि जीवन का वास्तविक मूल्य सांसारिक सुख-संपत्ति में नहीं, बल्कि सिद्धांतों की अडिगता और मानवता की निःस्वार्थ सेवा में निहित है। उनकी यह प्रेरणा हर युग में, हर मनुष्य को, सत्य और न्याय के पथ पर चलने का साहस प्रदान करती है।

प्रो. आरके जैन

देश की जनसंख्या प्रगति का पैमाना या अवरोध की अवधारणा

भारत की जनसंख्या अब मात्र एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चुनौती और अवसर दोनों का प्रतीक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में भारत ने लगभग 142.86 करोड़ (1.4286 अरब) की आबादी के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बनने का गौरव प्राप्त किया। लेकिन यह उपलब्धि जितनी गौरवशाली है, उतनी ही चिंताजनक भी। जनसंख्या वृद्धि दर अभी लगभग 0.81 % है और कुल उर्वरता दर 2.0 पर स्थिर हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर (2.1) के करीब है। भारत की लगभग 68 % आबादी कार्यशील आयु वर्ग (15-64 वर्ष) में है, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति का निर्माण करती है। यह स्थिति भारत के लिए "जनसंख्या लाभांश" का अवसर प्रस्तुत करती है, बशर्ते कि इसे शिक्षा, कौशल और रोजगार की दिशा दी जाए। यदि यह जनसंख्या शिक्षित, प्रशिक्षित और उत्पादक बनी तो यही भारत को आर्थिक महाशक्ति बना सकती है, परंतु यदि यही जनसंख्या बेरोज़गारी, अशिक्षा और संसाधनों के अभाव में उलझी रही, तो यही राष्ट्र के लिए बोझ भी बन सकती है। नंतभारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि प्रत्येक वर्ष लाखों युवक श्रमबाज़ार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर नहीं बन पाते। पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वेक्षण (क्क्लस) 2023-24 के अनुसार 15 वर्ष से ऊपर की आबादी में बेरोज़गारी दर 3.2 % रही, जबकि युवाओं (15-29 वर्ष) में यह बढ़कर 10.2 % तक जा पहुँची। कार्यशील आयु वर्ग में लगभग 64.33 करोड़ लोग हैं, परंतु संगठित क्षेत्र में उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा।

उदाहरण के तौर पर किसी ग्रामीण क्षेत्र के दस हज़ार युवा जब शहरों की ओर रोज़गार की तलाश में जाते हैं, तो उनमें से मुश्किल से दो हज़ार को ही अस्थायी या कम वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। शेष बेरोज़गार या असंगठित क्षेत्र में अल्प आय पर कार्यरत रह जाते हैं। परिणामस्वरूप गरीबी, कुपोषण और सामाजिक तनाव की स्थिति बढ़ती है, जो राष्ट्र की विकास गति को धीमा करती है। भारत की विशाल जनसंख्या के कारण जल, भूमि, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों पर असंतुलित दबाव बढ़ता जा रहा है। बढ़ती आबादी के साथ इनका अति-दोहन जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है। महानगरों में रोजगार की तलाश में पलायन से झुग्गी-झोपड़ियाँ फैल रही हैं, यातायात और प्रदूषण का संकट बढ़ रहा है तथा जीवन स्तर गिरता जा रहा है। बढ़ती जनसंख्या का सबसे बड़ा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है – प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीनहाउस गैसों का अत्यधिक उत्सर्जन अब चिंता का वैश्विक विषय बन चुका है। जब समाज का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रहता है, तो स्वाभाविक रूप से असंतोष, असुरक्षा और अपराध में वृद्धि होती है, जिससे सामाजिक समरसता कमजोर पड़ती है। चीन ने इस समस्या के समाधान के लिए "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीति अपनाई थी, जबकि भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप परिवार नियोजन, जागरूकता और स्वैच्छिक नियंत्रण की नीति को अपनाया। किंतु ग्रामीण और अशिक्षित क्षेत्रों में अब भी पर्याप्त जागरूकता का अभाव है। जनसंख्या नियंत्रण में शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा, सबसे प्रभावी माध्यम सिद्ध हो सकती है। एक शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को सही दिशा देती है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास अभियान, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसी योजनाएँ युवाओं को आत्मनिर्भर और उत्पादक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यदि इन योजनाओं का लाभ गाँव-गाँव तक पहुँचे तो रोजगार सृजन की प्रक्रिया तीव्र हो सकती है। भारत में विकास को संतुलित बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और आधारभूत संरचना को मजबूत करना आवश्यक है, जिससे पलायन पर नियंत्रण हो सके और शहरी क्षेत्रों पर बढ़ता बोझ घटे। स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच और गुणवत्ता में सुधार कर मातृ-शिशु मृत्यु दर घटानी होगी। वर्ष 2024 में भारत की मातृ मृत्यु दर अब भी 97 प्रति एक लाख जीवित जन्म है और शिशु मृत्यु दर 27 प्रति हज़ार के आसपास है। इन आंकड़ों में सुधार किए बिना "स्वस्थ भारत" का सपना अधूरा रहेगा। जनसंख्या की समस्या केवल संख्याओं की नहीं बल्कि गुणवत्ता की समस्या है।

एक शिक्षित, स्वस्थ और रोजगारयुक्त जनसंख्या ही राष्ट्र के विकास की गति को तीव्र कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि जनसंख्या को केवल बोझ न समझा जाए, बल्कि अवसर के रूप में देखा जाए। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जनसंख्या नियंत्रण की एकीकृत नीति ही इस अवसर को शक्ति में बदल सकती है। भारत की यह जनसंख्या वास्तव में एक दोधारी तलवार है – यदि इसे दिशा, दृष्टि और अवसर मिले तो यही भारत को विश्वशक्ति बना सकती है; और यदि यह अनियंत्रित रही तो यही देश की प्रगति की सबसे बड़ी बाधा सिद्ध हो सकती है। अब समय आ गया है कि हम "संख्या की भीड" को "सक्षम शक्ति" में परिवर्तित करें। तभी यह भूमि अपने जनसमुदाय के भार से नहीं, बल्कि उनकी ऊर्जा से आलोकित होगी – और भारत अपने जनबल से जगत में "विकासशील" से "विकसित राष्ट्र" बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

संजीव ठाकुर

योगी का ऐंटी रोमियो दस्ता महिला शक्ति का मजबूत पहरेदार

योगी आदित्यनाथ उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के तीन दिनों के भीतर ऐंटी रोमियो दस्ते के नाम से बनी पुलिस की छापामार टीमें सार्वजनिक स्थलों से लपंटो को खदेड़ने में जुटी थी।जोकि आज दिन ऐंटी रोमियो स्क्वायड नारी शक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है।प्रदेश में महिलाओ और बेटियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा जा रहा है।महिलाओ और बेटियों को स्वावलम्बी और आत्मनिर्भर बनाने के साथ सुरक्षा का माहौल उपलबन्ध कराने के लिए योगी की मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाने की शुरुआत की गई है।मुख्यमंत्री ने नवरात्र के पहले दिन मिशन शक्ति 5.0की शुरुआत की गई थी।योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी पुलिस ने पूरे यूपी में अभूतपूर्व अभियान चलाया,जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओ की सुरक्षा व्यवस्था और जनसहभागिता दोनो में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है।।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा रही है कि बचपन से लेकर जवानी तक हर लड़की की रखवाली राज्य के अधीन रहती है।कोई भी सरकार लक्ष्य से हट नही सकती।उतरप्रदेश में 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी 1,500 थानों में गठित नए दस्ते की सनसनी फैला दी थी।शुरुआत के दौर में योगी की शक्ति से अनभिज्ञ रोड रोमियो पुलिस की कार्यवाही को गौण समझते थे।लेकिन धीरे धीरे ऐंटी रोमियो पर शिकंजा कसने लगा और सूबे में गुंडागर्दी कम होने लगी।प्रदेश में उस दौर में सनसनी फैला दी,जैसे ऐसा लगता था कि कबूतरों के बीच बिल्ली को छोड़ दिया गया हो।ऐंटी रोमियो हवा की तरह आते है।अभी भी रोड रोमियो स्क्वायड से थर थर कांपते है।शुरू में करीब दो हजार नौजवानों को धर दबोचा।योगी ने उन रोमियो को पकड़ा,जिनके बाल लंबे,कुछ स्कूल और कॉलेज के पास पाए गए और कुछ यूं ही भटक रहे थे।इनको घेर कर सरकार ने अच्छे संकल्प दिलवाया गया।कुछ मामलों में तो उठक बैठक करवाई गई। भारत दोराहे पर खड़ा है।एक तरफ यथास्थितिवादी ग्रामीण समाज और दूसरी तरफ शहरी समाज आधुनिकता, निजी प्रगति और नए तरह के सामाजिक रिश्तों की ओर कदम बढ़ा रहा है।बढ़ती फैशन और शरीर पर कम होती पोशाकें जीवन की वास्तविकता को कोसो पीछे छोड़कर नए जमाने की दहलीज पर कदम रखने वाले युवक युवतियों को समझ नही आ रहा है कि वे कैसे पेश आए। देश मे औरतों के लिए सबसे असुरक्षित राज्यो में एक उतरप्रदेश के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द था।वर्तमान में सूबे के काफी हालात सुधरे है।महिलाएं,बालिका कही पर आवागमन कर सकती है।यहां तक रात में भी किसी अकेली महिलायें और बेटियां सुरक्षित है।उतरप्रदेश में महिलाओ के खिलाफ होने वाले अपराधों में काफी कमी आई है।2017 का दौर भयंकर रहा है।2017 पहले महिलाओ और बच्चियों के साथ आए दिन अपहरण, दुष्कर्म और हत्या जैसी घटना सामान्य बात थी।लेकिन वह भूतकाल की बात है।अपराध इतना बढ़ गया था कि महिलाएं घरों में भी सुरक्षित नही थी।औरतों को चार दिवारी के भीतर अपराध का शिकार होना पड़ता था ।यह बीते कल की बात है।लेकिन आज महिलाओं के साथ नही होता है।उतरप्रदेश के शक्त शासन के माध्यम से यूपी की कायापलट कर दी है।दहेज, हत्या,सामुहिक बलात्कार,अगवा और फिरौती,यौन उत्पीड़न जैसी घटनाएं पूर्व सरकार में घटित होती थी।योगी ने सर्वप्रथम ऐंटी रोमियो को ठीक करने के लिए सिर्फ छेड़छाड़ पर ही फ़ोकस किया गया था,क्योंकि चारदीवारी के भीतर घरेलू हिंसा होती है। लेकिन सार्वजनिक स्थलों पर बेहूदगी तो चलन बन गया था।सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यूपी पुलिस हर तरह की प्रवृत्ति कर रही है ।सड़को पर रोमांस करने वालो पर चालान

किये जा रहे है,जिससे उपरोक्त घटनाएं कम हो रही है।पुलिस रचनात्मक संदेश और अभियानों का उपयोग कर रही है।एनसीआरबी के अनुसार यूपी में साम्प्रदायिक हिंसा बिलकुल खत्म हो चुकी है।यूपी में अपराध एक चौथाई कम है।राज्य के हालात तेजी से सुधरे है।जिसमे राज्य सरकार की सख्ती का परिणाम है।2023 में साम्प्रदायिक की घटना शून्य रही थी।यूपी में रास्ट्रीय औसत से 25 फीसद कम रही है।सड़को पर शांति का आलम है।2017 के बाद यूपी शांति और सद्भाव का गढ़ बन चुका है।लव जिहाद के लड़ने और सरकार की सख्ती से काफी कम हुआ है।जबकि यूपी के हर कॉलेज में एंटी रोमियो दस्ता उपलब्ध कराया गया था।जिससे लड़कियों को सुरक्षा प्रदान करने में सहूलियत रही है।

कांतिलाल मांडोत

संपादकीय

रिश्ते अब इंस्टेंट नूडल्स क्यों बन गए हैं?

रिश्तों की माइक्रोवेव पीढ़ी÷ त्वरित गर्माहट, त्वरित ठंडापन स्वाइप के रिश्ते÷जितनी जल्दी जुड़ते, उतनी जल्दी टूटते

रिश्ते कभी आत्मा का आलिंगन हुआ करते थे। नज़रों की गहराई में उतरकर, समय के ताने-बाने में धीरे-धीरे बुने जाते थे, जैसे कोई कारीगर महीन धागों से अनमोल कढ़ाई रचता हो। लेकिन आज की दुनिया माइक्रोवेव की रफ्तार में सिमट गई है—तुरंत, सुविधाजनक, और क्षणभंगुर। रिश्ते अब समय की गहराई में नहीं, टचस्क्रीन की सतह पर बनते हैं। एक बटन दबाओ, पल भर की गर्माहट पाओ। मगर जैसे ही वह गर्माहट फीकी पड़ती है, ठंडापन उतनी ही तेजी से दस्तक देता है। यह हमारी माइक्रोवेव पीढ़ी की कहानी है—जहाँ रिश्ते चमकते हैं, पिघलते हैं, और पल में बिखर जाते हैं। आज का इंसान समय की भगदड़ में उलझा है। व्यस्तता ने हमें इस कदर जकड़ लिया है कि रिश्तों के लिए न वक्त बचा, न धैर्य। पहले रिश्ते विश्वास, समझ, और त्याग की नींव पर खड़े होते थे।

दोस्ती थी रातभर की अनकही बातें, चाय की चुस्कियों में साझा सपने, और बिना बोले बँटे दर्द। प्यार था इंतज़ार की बेकरारी, चिट्ठियों की स्याही, और मिलन की तड़प। परिवार था एक छत तले हँसी-आँसुओं का मेल, हर सुख-दुख में एक-दूसरे का सहारा। लेकिन अब? दोस्ती इंस्टाग्राम की स्टोरी और व्हाट्सएप के इमोजी तक सिकुड़ गई। प्यार स्वाइप और कुछ डेट्स के बाद ÷मूव ऑन÷ का नाम बन गया। परिवार वीडियो कॉल्स और ग्रुप चैट्स में बिखर गया। इस त्वरितता की जड़ हमारी जीवनशैली है। हमने सुविधा को रिश्तों का पर्याय बना लिया। डेटिंग ऐप्स ने प्यार को कैटलॉग में बदल दिया, जहाँ लोग प्रोफाइल्स को स्क्रॉल करते हैं, जैसे ऑनलाइन शॉपिंग हो। दोस्ती अब लाइक्स, कमेंट्स, और फॉलोअर्स की गिनती में सिमट गई। परिवार तक टू-डू लिस्ट का हिस्सा बन गया—जन्मदिन पर मैसेज, त्योहार पर कॉल, और साल में एक मुलाकात का वादा। रिश्ते अब मेहनत नहीं, बस एक बटन की दूरी माँगते हैं। मगर यही उनकी सबसे बड़ी कमज़ोरी है। माइक्रोवेव का खाना भले ही पल में तैयार हो, पर उसमें न ताज़गी होती है, न पोषण। वैसे ही, त्वरित रिश्ते शुरुआत में चमकते हैं, लेकिन उनकी गहराई खोखली रहती है। प्यार में भी यही अधीरता हावी है। आज का प्यार माइक्रोवेव सा है—जल्दी गर्म, जल्दी ठंडा। कुछ मुलाकातें, कुछ चैट्स, और तारीफों का दौर, और लोग "सोलमेट" का तमगा सजा देते हैं। मगर जैसे ही पहला झटका लगता है—एक छोटी गलतफहमी, एक अनबन, या "वाइब्स" का न मिलना—लोग "ब्रेकअप" और "मूव ऑन" चुन लेते हैं। रिश्तों को संवारने की कोशिश, समझने की मेहनत, या माफ करने का धैर्य अब पुराना लगता है। विकल्पों की भीड़ ने रिश्तों को डिस्पोजेबल बना दिया। जब अगला "बेहतर" विकल्प एक स्वाइप दूर हो, तो कोई रिश्ता अनमोल क्यों लगे? यही विकल्पों की बाढ़ रिश्तों की गहराई को निगल रही है। क्या यह सब इतना सरल है? क्या हम सचमुच इतने सतही हो गए हैं? सच यह है कि इंसान का दिल आज भी वही चाहता है—सच्चा जुड़ाव, अपनापन, और स्थायित्व। हम चाहते हैं कि कोई हमें बिना शर्त सुने, समझे, और हर कदम पर साथ दे। मगर हमारी आदतें, हमारी प्राथमिकताएँ, और हमारी तेज़ रफ्तार ज़िंदगी हमें रोकती है। हमने तुरंत संतुष्टि को इस कदर आत्मसात किया है कि इंतज़ार, मेहनत, और रिश्तों को वक्त देना हमें बोझ लगता है। हम गहरे रिश्ते चाहते हैं, मगर उनकी कीमत चुकाने को तैयार नहीं। इस माइक्रोवेव पीढ़ी की सबसे बड़ी त्रासदी यही है—हम गर्माहट चाहते हैं, मगर उसे टिकने नहीं देते। दोस्ती, प्यार, या परिवार—सब में शुरुआती चमक जल्दी ठंडी पड़ जाती है। हम रिश्तों को फिर गर्म करने की कोशिश करते हैं—एक मैसेज, एक कॉल, या एक मुलाकात से। मगर जैसे माइक्रोवेव का खाना बार-बार गर्म करने पर अपनी ताज़गी खो देता है, वैसे ही रिश्ते भी बार-बार टूटने-जुड़ने में अपना मूल स्वाद खो देते हैं। नतीजा? एक खालीपन, जो न समझ आता है, न बयाँ होता है। क्या रास्ता है? क्या हम इस माइक्रोवेव पीढ़ी के चक्रव्यूह से निकल सकते हैं? हाँ, बशर्ते हम अपनी प्राथमिकताएँ बदलें। रिश्तों को फिर से समय, धैर्य, और मेहनत की सौगात देनी होगी। तकनीक ने हमें जोड़ा है, मगर वह जोड़ सतही है। असली रिश्ता तब बनता है जब स्क्रीन की चमक छोड़कर हम एक-दूसरे की आँखों में झाँकें, मैसेज की जगह दिल से दिल की बात करें, और लाइक्स की बजाय विश्वास का आलिंगन दें। रिश्ते कोई इंस्टेंट रेसिपी नहीं—वे एक लंबी यात्रा हैं, जहाँ गलतियाँ, गलतफहमियाँ, और उतार-चढ़ाव स्वाभाविक हैं। मगर इन्हीं से पार पाने की कोशिश रिश्तों को अनमोल बनाती है। हर रिश्ता परफेक्ट नहीं होता। दोस्ती में अनबन, प्यार में तकरार, और परिवार में मतभेद तो होंगे।

लेकिन इन सबके बीच रिश्तों को सहेजने की जिद ही उन्हें अटूट बनाती है। माइक्रोवेव की गर्माहट पल भर में ठंडी पड़ जाती है, पर चूल्हे की आँच पर पकाया खाना समय माँगता है, देखभाल माँगता है, और बदले में वह स्वाद देता है जो दिल-ओ-दिमाग में बस्ता है। रिश्ते भी ऐसे ही हैं—उन्हें धैर्य, देखभाल, और प्यार की आँच चाहिए, जो समय के साथ और गहरी होती है। आज हमें खुद से सवाल करना होगा—क्या हम रिश्तों को महज सुविधा की तरह देखना चाहते हैं, या उनकी गहराई को फिर से जीना चाहते हैं? क्या हम त्वरित चमक के पीछे भागकर स्थायी अपनापन खोना चाहते हैं? यह चुनाव कठिन है, क्योंकि यह हमारी आदतों और जीवनशैली को चुनौती देता है। मगर अगर हम ठान लें, तो रिश्तों की उस पुरानी रिवायत को जगा सकते हैं, जहाँ धैर्य, विश्वास, और गहराई ही सबसे बड़ी ताकत थी। माइक्रोवेव की चमक भले ही लुभाए, पर चूल्हे की आँच की गर्माहट ही रिश्तों को ज़िंदगी देती है। अब हमें चुनना है—क्षणिक चमक या चिरस्थायी रोशनी।

प्रो. आरके जैन

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रभावी कदम बढ़ाए सम्बंधित विभाग

राजस्थान और मध्यप्रदेश में कफ सिरफ की दवा के सेवन के बाद बच्चो की हुई मौते से सनसनी फैल गई है।मासूम बच्चो की मौत के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की गई। चिकित्सक भगवान का रूप माना गया है।आज भी देश मे डॉक्टर को नेकष्ट टू गॉड की उपमा दी जाती है।देश मे हजारो किस्म की दवाइयां निर्मित हो रही है।विदेशो से भी दवाइया आयात की जा रही है।आज वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में दवा संजीवनी का काम करती है।देश के दवा कम्पनियो की गुणवत्ता बरकरार रखने के लिए समय समय पर जांच होनी चाहिए।दवा की गुणवत्ता,दवा की मिलावट,दवा आपूर्ति में लापरवाहीऔर विपणन प्रथाओं के लिए नियम सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।मरीज को पूरा भरोसा अपने डॉक्टर पर होता है।जबकि डॉक्टर और मरीज दवाइयों की गुणवत्ता पर आशंका या भय नही पालता है।इसलिए डॉक्टर और मरीज की सत्यनिष्ठा पर कोई संकोच नही करना चाहिएहै।

दवा कम्पनियो की बेहतरी के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय को एक समयावधि के बाद दवा की गुणवत्ता के लिए एडवाइजरी जारी करनी चाहिए।गत दिन खराब गुणवत्ता वाली दवा के सेवन से बच्चो की हुई मौत पर सरकार ने कठोर कार्यवाई के आदेश दिए गए।उत्पादन पर रोक लगाना और लायसन्स रद्द करना शामिल है।मध्यप्रदेश के अंदर बनी दवाइयों में वायल के अंदर कचरा मिलना और गोलिया धुली हुई होने के कारण सीडीएससीओ हरकत में आ गया है।पिछले आठ महीने में बनी दवाइयों को अमान्य घोषित किया गया है।खराब दवा और गुणवत्ताविहीन दवाइयों से लोगो के स्वास्थ्य पर सीधा असर करता है।सरकारी प्रयोगशालाओ द्वारा मानक गुणवत्ता अनुसार नही पाए जाने पर तत्काल दवाओं के लायसन्स निलंबित किये जा सकते है।एनएसक्यूएफ एक वैश्विक समस्या है और किसी गलत इरादे से नही,बल्कि तकनीकी के कारण होती है।लिहाजा ,यह सवाल है कि निर्दोष बच्चो का क्या कसूर था ?दुनिया मे जन्म लेने के कुछ समय बाद मौत ने माता पिता और परिवार की उम्मीदों का गला घोंट दिया।इस तरह की लापरवाही निर्दोष बच्चो की मौत के बाद ही पता चलती है।सरकारी प्रयोगशालाओ का परीक्षण और रिकार्ड और डेटा की समीक्षा के साथ ओषधि निरीक्षण द्वारा जीएलपी अनुपालन की भी समीक्षा होनी चाहिए।देश आज प्रगति के द्वार पर है।हमारे देश की मेडिकल व्यवस्था और उत्पादन क्षमता सबसे आगे है।अमेरिका को करीब तीस प्रतिशत एंटीबायोटिक और अन्य उत्पादन की दवा भारत निर्यात करता है।इसलिए सरकारी निकायों को कम्पनी के संचालन की निगरानी करनी चाहिए।उपचार के दौरान गलत सिरफ से बच्चो की मौते होना दवा कम्पनियो की गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह है।स्वास्थ्य विभाग ने सरकार सिस्टम की और इशारा करते हुए कहा कि इनकी लापरवाही के कारण मासूम बच्चो की जाने गई है।छिंदवाड़ा में दवा के सैम्पल कलेक्ट करके जांच के लिए भेजने के बाद हकीकत सामने आई।देश मे 90 प्रतिशत जनता दवाइयों के सहारे जीवन यापन करती है।इस तरह की लापरवाही जनमानस के लिए बहुत बड़े हादसे की सम्भावना बनी रहती है।मध्यप्रदेश में सीडीएससिओ की रिपोर्ट में 76 दवा अमानक साबित हुई है।यह लापरवाही ही है जिसके कारण अचानक हो रही मौतों का कारण भी हो सकता है या हार्टअटैक से हो रही मौते अपने खानपान का प्रभाव हो सकता है।देश मे दवा निगरानी की प्रक्रिया मन्द नही होनी चाहिए।यह सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय की पूर्ण जवाबदेही है।तमिलनाडु के बाद केरल और एमपी में कोल्ड्रिफ् कफ सिरफ बैन कर दिया ।दरअसल,दवाओं की गुणवत्ता पर ध्यान देना जरूरी है।दवा उत्पादन में सफाई का ध्यान जरुर रखना होगा।बच्चो की मौत के बाद कई सिरफ बनाने वाली कम्पनियो ने ताला मार दिया।संचालक फरार बताये जा रहे है।इससे तो यह उजागर होता है कि ये कम्पनिया अपनी जवाबदेही का निर्वहन नही करके दवा उत्पादन में लापरवाही कर रही थी।इनके खिलाफ जरुर एक्शन लिया जाएगा।गौरतलब है कि यह दवा विवाद नया नही है।

इसके पूर्व दिल्ली में कलावती सरन हॉस्पिटल में जहरीले असर से करीब 16 बच्चो की मौत हो गई थी।जांच में पाया गया कि चार साल के बच्चो के लिए दवा सम्पूर्ण असुरक्षित थी।2023 में केयसन्स फार्मा कम्पनी को नॉट फ़ॉर स्टेंडर्ड घोषित किया था। 2023 में मेथाडोन की गोली खाने से बच्चे की मौत हो गई।यू तो हेवीडोज़ से कई मरीजो की मौत हो जाती है ।इसमें हमे सावधानी रखनी चाहिए।नकली दवाओं का प्रचलन बढ़ता जा रहा है।घटिया और नकली दवा गुणवत्ता जांचना जरूरी है।इस पर दवा उधोग और सरकार द्वारा कार्यवाई की जानी चाहिए। भारत विकासशील हैऔर देश तीसरी महाशक्ति बनने जा रहा है।हमें गुणवत्ता की और कदम बढ़ाने होंगे।दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है।इस तरह की शिकायत और तकलीफदेय चीजो के लिए हमे जगरूकता फैलानी होगी ।भयंकर प्रतिस्पर्धा व्यवसाय मे ब्रांडेड उत्पादकों की बिक्री को नुकसान होगा।इस बीच डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि टॉक्सिकोलॉजी टेस्ट करना बहुत जरुरी है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

मिश्रिख़ खण्ड विकास अधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मिश्रिख़ (सीतापुर) डिजिटल क्राप सर्वे में एक दिन में 150 से अधिक सर्वे करके अपना सर्वे खत्म करने वाले 2 सर्वाधिक सर्वे करने सर्वेयौर को खंड विकास अधिकारी ने प्रतिदिन प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित करने की शुरुआत की, जिसके क्रम में विगत 2 दिनों के सर्वाधिक सर्वे कर्ता 3 पंचायत सहायकों को सम्मानित किया गया।इसमें रिमझिम शर्मा, शदफ यास्मीन ,रीमा और अंकित कुमार को सम्मानित किया गय।अंकित के अनुपस्थित में प्रशस्तिपत्र सचिव को देने हेतु सौंपा गया।खंड विकास अधिकारी मिश्रिख़ ने बताया कि इसका उद्देश्य कर्मचारियों को अच्छे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना है।इस घोषणा के बाद से सभी सर्वेयौर ने अच्छा काम किया है, 10 अक्टूबर के बाद सर्वश्रेष्ठ काम करने वाले सर्वेयौर को सम्मानित किया जाएगा।साथ ही जिन सर्वेयौर ने लापरवाही की है उनके विरुद्ध कार्यवाही भी प्रस्तावित की जाएगी।

आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

मलिहाबाद। घर वापस लौट रहे एक युवक की बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। रविवार देर रात हुए इस भीषण हादसे में एक बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। यह दर्दनाक हादसा रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गहदो के पास हुआ। हरदोई के हरहा गांव से अपने भांजे की शादी से लौट रहे शकील (निवासी रहटा गांव) की बाइक की टक्कर विपरीत दिशा से आ रही अनिल (निवासी उमरावल) की बाइक से हो गई। हादसे के बाद दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। रहीमाबाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, माल भेजा। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। शकील को परिजन ट्रामा सेंटर ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल अनिल का इलाज मलिहाबाद के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। उनकी हालत भी चिंताजनक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय दोनों बाइक सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण चोटें ज्यादा गंभीर आई और शकील की जान चली गई। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। शकील के परिवार में उनकी पत्नी रहमतुल, मां मेहरून निशा, बहन मुस्कान, और बच्चे आलिया व नदीम हैं।

महिसेल्फ डिफेन्स कार्यशाला भदोही:- मिशन शक्तिषष् के विशेष अभियान ;फेज.5.0 के अंतर्गत'

भदोही दिनांक.06.10.2025 को बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु 90 दिवसीय शिमशन शक्तिश् के भदोही में आयोजन किया गया जेंडर एक्सपर्ट सीमा रेशमा भारती एंव प्रियंका गुप्ता द्वारा बालिकाओं को जागरूक करते हुए बताए कि स्वयं शसक्त हो जागरूक होकर अपनी सुरक्षा स्वयं करें बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी साथ ही बालिकाएं स्वयं से अपनी सुरक्षा कैसे करे बाल विवाह की आयु क्या होनी चाहिए बाल श्रम क्या हैं साथ ही महिला कल्याण विभाग की योजनाओं की भी जानकारी दी गई बालिकाओं को हमेशा अपने साथ गैर घातक विकल्पों जैसे काली मिर्च स्प्रे और व्यक्तिगत अलार्म से लेकर घातक विकल्पों जैसे रखना चाहिए बालिकाओं को अपने साथ कुछ न कुछ अपनी सुरक्षा के लिए आवश्य रखना चाहिए बालिकाओं को जानकारी प्रदान की गई उक्त कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर रेशमा भारती प्रियका गुप्ता तथा आन्नद कुमार मौर्य एवं कार्मिक एवं बालिकाएं मौजूद रही।

युवक को खाने वाला आदमखोर बाघ पकड़ा गया होश में आने पर पिंजड़े में दहाड़ा, अबतक तीन बाघ पकड़े जा चुके

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में एक और बाघ पकड़ा गया है खूंखार बाघ को महोली क्षेत्र में ट्रेंकुलाइज कर पकड़ लिया गया है बाघ नरनी गांव से करीब 300 मीटर दूर पकड़ा गया है। बाघों के रिहायशी इलाकों में घूमने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल था 22 अगस्त को बाघ ने एक युवक को अपना शिकार बनाया था गांववालों का कहना है कि इसी आदमखोर बाघ ने युवक का शिकार किया था हालांकि, वन विभाग अभी इस बारे में कुछ स्पष्ट नहीं बता पा रहा साल 2025 में अबतक 2 बाघ और एक बाघिन पकड़े जा चुके हैं गांव वालों का दावा है कि अभी भी दो शावक घूम रहे हैं। डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही सीतापुर का महोली क्षेत्र, पीलीभीत के जंगलों से सटा हुआ इलाका है। पीलीभीत के जंगलों से भटकते हुए आए दिन बाघ महोली इलाका में पहुंच जाते हैं बाघों के रिहायशी क्षेत्रों में घुस आने से लोगों में दहशत हमेशा से बना रहता है बीते कुछ महीनों से बाघ का खौफ लोगों में काफी बढ़ गया था दरअसल, इलाके में कई बाघ घूमते देखे गए अगस्त महीने की 22 तारीख को बाघ ने एक युवक को अपना शिकार भी बनाया तो ग्रामीणों में खौफ और बढ़ गया लोग वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाने लगे क्षेत्र में बाघों भटककर आने की सूचना के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ बाघ को पकड़ने के लिए दुधवा नेशनल पार्क से एक्सपर्ट डॉ. दयाशंकर और उनकी टीम को बुलाया गया टीम ने नरनी गांव से करीब 300 मीटर दूर कमांड सेंटर से नजदीक एक मचान लगाया वहीं पर बाघ को पकड़ने के लिए जाल बिछाते हुए एक जानवर को बांधा गया देर शाम को बाघ जानवर का शिकार करने आया एक्सपर्ट ने ट्रैंकुलाइजर गन से उस पर निशाना साधा बाघ कुछ ही देर में बेहोश हो गया। फिर टीम ने उसे पकड़कर पिंजड़े में कैद कर लिया पिंजड़े में कैद बाघ को देखने के लिए गांव वालों का तांता लग गया बाघ को जब होश आया तो वह गुर्राने लगा लेकिन पिंजड़े में होने की वजह से असहाय था कुछ ही देर में वन विभाग की टीम उसे लेकर इलसिया पार्क के लिए रवाना हो गई। डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि पकड़े गए बाघ की उम्र करीब 6 साल है और उसका वजन लगभग 220 किलो है करीब 20 दिन पहले टीम ने इसी इलाके से एक बाघिन को भी पकड़ा था जबकि 26 मई को नरनी गांव से 40 किमी दूर एक बाघ को टीम ने पकड़ा था नरनी में पकड़े गए शिकारी बाघ को गोरखपुर चिड़ियाघर में भेजा जा सकता है। बाघ के पहले इसी इलाका में पकड़ी गई बाघिन को गोरखपुर जू भेजा गया था हालांकि, डीएफओ ने बताया कि वाइल्ड लाइफ डिपार्टमेंट और अन्य एजेंसियों से अनुमति लेने के बाद ही बाघ के बारे में निर्णय लिया जा सकता है नरनी गांव के लोगों ने बताया कि बाघ का दहशत अभी खत्म नहीं हुआ है वन विभाग ने केवल बाघ और बाघिन को पकड़ा है दो शावक अभी भी इलाके में घूम रहे हैं जबतक वे पकड़े नहीं जाते तबतक खतरा बना हुआ है डीएफओ नवीन खंडेलवान ने बताया कि ग्रामीणों की आशंकी पर निगरानी लगातार जारी रहेगी!!

जिला सहकारी बैंक का 'एम पैक्स' महा-अभियान किसानों को मिलेगी खाद की किल्लत से निजात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। जिला सहकारी बैंक किसानों को सशक्त बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठा रहा है। बैंक ने हाल ही में अपने परिसर में 'एम पैक्स सदस्यता अभियान' को लेकर एक महत्वपूर्ण जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य किसानों को सहकारी समितियों से जोड़कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। बैंक के चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी समितियों के सचिवों और अध्यक्षों से अपील की कि वे इस सदस्यता अभियान को प्राथमिकता के आधार पर चलाएँ और इसमें तेजी लाएँ। उन्होंने जोर दिया कि अधिक से अधिक किसानों को समिति का सदस्य बनाना जरूरी है ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।गोष्ठी में किसानों ने पिछले दिनों हुई डीएपी और यूरिया खाद की किल्लत की गंभीर समस्या को बैंक की एआर वैशाली सिंह के सामने रखा। इस पर एआर सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि अब से समितियों में दर्ज सभी सदस्यों को आसानी से डीएपी और यूरिया खाद उपलब्ध कराई जाएगी। यह घोषणा किसानों के लिए एक बड़ी राहत बनकर आई है।

चेयरमैन वीरेंद्र प्रताप सिंह ने डीसीएम आवेश प्रताप मौर्या, गोशाला प्रमुख उमाकांत गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष आशीष द्विवेदी, और सभापति पंकज गुप्ता की उपस्थिति में न सिर्फ किसानों की समस्याओं को सुना, बल्कि उनका तत्काल समाधान भी सुनिश्चित किया। उन्होंने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को भविष्य में मिलने वाले वित्तीय और अन्य लाभों की विस्तृत जानकारी भी साझा की। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बैंक मैनेजर समेत विभिन्न समितियों के सचिव, अध्यक्ष और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। यह अभियान सहकारी बैंक की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दबंगों के डर से पलायन! पड़ोसियों ने धमकाया, पीटाज घर छोड़ने को मजबूर हुआ परिवार

उत्तर प्रदेश के मेरठ में थाना सरूरपुर क्षेत्र के गांव जसड़ में एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच विवाद ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब एक पक्ष ने गांव छोड़ने की घोषणा कर दी. बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच पिछले कुछ दिनों से किसी घरेलू मुद्दे को लेकर तनाव चल रहा था. घरेली तनाव मारपीट में तब्दील हो गया. घटना के बाद एक पक्ष ने अपने घर के बाहर पलायन की सूचना लिख दी. जिस पर लिखा था 'दबंगों के डर से पलायन.' यह सूचना गांव में चर्चा का विषय बन गई. जानकारी के मुताबिक सोमवार सुबह पीड़ित पक्ष के मेहताब ने अपने परिवार के साथ और बच्चों के साथ घर छोड़ने का फैसला किया. उन्होंने एक मिनी ट्रक बुलवाया और अपने घर का पूरा सामान उसमें लाद लिया. गाड़ी में सामान लादकर उन्होंने ऐलान किया कि वह गांव छोड़ कर जा रहे हैं. जैसे ही यह बात ग्रामीणों और ग्राम प्रधान को पता चली तो तुरंत मौके पर पहुंचे और मेहताब को समझाने की कोशिश की।

उत्तरप्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरने का आयोजन!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर। आज दिनाँक 06/10/2025 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जनपद मुजफ्फरनगर द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरने का आयोजन जिला संरक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार यादव के निर्देशन में किया गया। धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ0 अमित कुमार जैन तथा संचालन जिला मंत्री अरुण कुमार ने किया। जिला अध्यक्ष डॉ अमित कुमार जैन ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वित्त एवं लेखा अधिकारी (माध्यमिक)के कार्यालय पर लंबे समय से विभिन्न प्रकरण लम्बित हैं बार-बार कहने के बाद भी आज तक उन प्रकरणों का अद्यतन निराकरण नहीं हो पाया है जिससे जनपद के शिक्षक/शिक्षिकाओं में भारी रोष व्याप्त हो गया है, उसी की परिणिति स्वरूप आज से अनिश्चितकालीन धरने का आयोजन किया जा रहा है।

जिला संरक्षक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया कि जनपद के पदोन्नति पाए शिक्षक/शिक्षिकाओं के कई माह बीत जाने के बाद भी वेतन निर्धारण का कार्य वित्त एवं लेखा अधिकारी (माध्यमिक) के द्वारा अब तक भी लम्बित है तथा विभिन्न प्रकार की अनावश्यक आपत्ति लगाकर फाइलों को लौटाया जा रहा है। जिला मंत्री अरुण कुमार ने बताया कि 01 अप्रैल 2005 के पूर्व विज्ञापनों से पुरानी पेंशन में आए जनपद के लगभग 100 से अधिक शिक्षक/शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का अब तक जी0पी0एफ0 कैलकुलेशन करने वाला आदेश जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय के कार्यालय से निर्गत नहीं किया गया है। जिला कोषाध्यक्ष संजय कुमार मोघा ने बताया कि नोशनल इंक्रीमेंट के 100 से अधिक प्रकरण 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर लम्बित है।

साहब। मेरी पत्नी रात में मुझे नागिन बनकर डराती है समाधान दिवस पर पति ने लगाई एसडीएम से गुहार, दो साल पहले हुई थी शादी

● साहब...। मेरी पत्नी मुझे रात में नागिन बनकर डराती है कई बार जान से मारने की कोशिश कर चुकी है पर आंख खुल जाने के कारण सफल नहीं हो सकी है मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है मेरी पत्नी कभी भी सोते समय मुझे जान से मार सकती है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के रहने वाले मेराज ने जब समाधान दिवस के दौरान ये आपबीती डीएम को सुनाई तो सभी चौंक पड़े फरियादी की इस अनोखी शिकायत को सुनकर वहां मौजूद सभी अधिकारी हैरान रह गए पति ने कहा- मैं अपनी पत्नी की हरकतों से बहुत परेशान हूं ऐसी घटनाओं के कारण रातभर सो नहीं पाता हूं बहुत ही डरा-सहमा हूं मेरी पत्नी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। मामला महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र के लोधासा गांव का है पति की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने थाने को जांच का आदेश दिया है पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है महमूदाबाद तहसील क्षेत्र के लोधासा गांव निवासी मेराज (45) की राजपुर थाना क्षेत्र के लालपुरी मजरा अंतर्गत धानगांव निवासी नसीमुन (40) से वर्ष 2023 में शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन के बाद ही दोनों के बीच झगड़े होने लगे शनिवार को तहसील में आयोजित समाधान दिवस कार्यक्रम में मेराज पहुंचा और डीएम को लिखित शिकायत करते हुए उसने बताया- मेरी पत्नी मुझे जान से मारना चाहती है रात में नागिन बनकर डराती है कभी भी मेरी हत्या कर सकती है मेराज की शिकायत सुनकर डीएम अभिषेक आनंद, एसडीएम बालकृष्ण सिंह समेत समाधान दिवस में मौजूद सभी अधिकारी पहले तो चौंक गए मेरा की पूरी बात सुनने के बाद डीएम के आदेश पर एसडीएम महमूदाबाद ने तत्काल थाने को मामले की जांच का आदेश दिया मेराज ने बताया- पत्नी की हरकतों की वजह से वह काफी डरा हुआ है मानसिक रूप से परेशान हो गया है। हत्या के डर से पिछली कई रातों से ठीक से सो भी नहीं पा रहा है उसे डर है कि पत्नी कभी भी रात में सोते समय हत्या कर सकती है मेराज ने बताया- शुरुआत में मुझे लगा पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है तो मैंने झाड़-फूंक कराया पर उसकी आदतें नहीं सुधरीं इसके बाद मैंने शिकायत की मेरी पक्ष ने भी मेरे खिलाफ शिकायत की है। पर पुलिस सिर्फ उसकी शिकायत पर जांच करके एक पक्षीय कार्रवाई कर रही है मेराज ने बताया- शादी के बाद काफी प्रयास के बावजूद उन्हें अब तक कोई संतान नहीं है वह खेती करके परिवार का भरण-पोषण करता है बहन की शादी हो चुकी है वह अकेले ही बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करता है इस पर भी पत्नी आपत्ति जताती है एसडीएम महमूदाबाद बालकृष्ण ने बताया- समाधान दिवस के दौरान एक पति ने पत्नी के खिलाफ लिखित शिकायत की थी कोतवाली प्रभारी को जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के बाद ही हकीकत सामने आएगी वहीं महमूदाबाद कोतवाली प्रभारी अनिल सिंह ने बताया- पति-पत्नी को परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया है जहां दोनों पक्ष की बातें सुनी जाएंगी इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी!!

दूध व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पुलिया के नीचे मिला शव इलाके में फैली सनसनी

● गांव के दो व्यक्तियों पर हत्या का आरोप पुरानी रंजिश में वारदात की आशंका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना क्षेत्र के उल्लहा गांव में रविवार की देर रात एक दूध व्यापारी अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है गांव निवासी नसीम (50) पुत्र जमालुद्दीन का शव रसूलपुर गांव के पास खेत में बनी पुलिया से बरामद हुआ परिजनों ने रसूलपुर के ही दो व्यक्तियों पर पुरानी रंजिश के चलते हत्या का आरोप लगाया है। घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई है जानकारी के अनुसार, नसीम बीती शाम दूध लेकर रसूलपुर स्थित डेरी गया था देर रात तक घर न लौटने पर परिवारजन और ग्रामीण उसकी तलाश में निकल पड़े खोजबीन के दौरान ग्रामीणों ने रसूलपुर के पास खेतों में बनी पुलिया में नसीम का शव पड़ा हुआ देखा शव की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की खबर पुलिस तक पहुंची तो सकरन थाना प्रभारी नवनीत मिश्रा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस ने शव को पुलिया से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया इधर, परिजनों ने आरोप लगाया कि नसीम की हत्या रसूलपुर निवासी हरकेश और स्वरूफे ने की है परिजनों का कहना है कि इन दोनों से नसीम का पुराना विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में हत्या की गई है उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष नवनीत मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी उन्होंने कहा कि परिजनों के आरोपों और जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी अधेड़ की मौत से गांव में शोक और गुस्से का माहौल है फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है!!

खेत में पानी लगाते समय किसान को जहरीले सांप ने डसा, मौके पर हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के तिलकखेड़ा मवईकलां गांव में सोमवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया। संतोष कुमार (55) नामक किसान को अपने खेत में धान की फसल में पानी लगाते समय एक जहरीले सांप ने डस लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

किसान ने फोन पर घरवालों को घटना की जानकारी दी, लेकिन जब तक परिजन खेत पहुंचे, बहुत देर हो चुकी थी। संतोष कुमार दोपहर करीब 2 बजे अपने खेत में काम कर रहे थे, तभी सांप ने उन पर दो बार हमला किया। घरवालों को खबर मिलते ही हड़कंप मच गया और वे तुरंत खेत की ओर भागे। हालांकि, उनके पहुंचने से पहले ही संतोष कुमार ने दम तोड़ दिया।

इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। किसान की अचानक हुई मौत से उनके परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक किसान के परिवार में उनकी पत्नी रामरती और पाँच बच्चे–तीन बेटे विशाल, मनीष, अनीश, और दो बेटियां मौशमी, मोहिनी– शामिल हैं। पूरे गांव में इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल है।

2 साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी की सिरप पर बैन....छत्तीसगढ़ के सभी जिलों को निर्देश जारी

● भारत सरकार के स्वास्थ्य सचिव द्वारा 5 अक्टूबर को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद छत्तीसगढ़ में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने भी निगरानी और कार्रवाई को तेज कर दिया है. राज्यभर में औषध निर्माण इकाइयों का जोखिम-आधारित निरीक्षण (Risk-Based Inspection) करने हेतु औषधि निरीक्षकों के दल गठित किए गए हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी भी प्रकार की खांसी की सिरप या सर्दी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए. साथ ही, यह दवाएं सामान्यतः पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भी अनुशंसित नहीं हैं. यह कदम शिशुओं को संभावित दुष्प्रभावों से बचाने और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

एडवाइजरी जारी होते ही छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्यवाही करते हुए सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) तथा सिविल सर्जनों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं. सभी शासकीय और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि भारत सरकार की इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश

साथ ही आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा इस संबंध में एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी जिलास्तरीय विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खांसी या सर्दी की दवाओं का उपयोग केवल चिकित्सकीय परामर्श पर आधारित होना चाहिए, तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

विशेषज्ञों के अनुसार अधिकांश मामलों में बच्चों में खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारियाँ अपने आप ठीक हो जाती हैं और इसके लिए दवा देना आवश्यक नहीं होता. इसलिए आम जनता को भी डॉक्टर की सलाह के बिना बच्चों को दवाएं न देने के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कड़ी निगरानी में है औषधि आपूर्ति प्रणाली

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (सीजीएमएससी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिन दो कंपनियों के विरुद्ध अन्य राज्यों में कार्रवाई की गई है, उनकी राज्य में किसी भी प्रकार की सरकारी आपूर्ति नहीं रही है. ये कंपनियाँ सीजीएमएससी के डेटाबेस में पंजीकृत भी नहीं हैं. यह तथ्य राज्य में सरकारी स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शिता और सतर्कता की पुष्टि करता है।

निर्माण इकाइयों और निजी औषधालयों का निरीक्षण तेज

प्रदेश के सभी सहायक औषधि नियंत्रकों और औषधि निरीक्षकों को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि वे सभी औषधि विक्रय संस्थानों का तत्काल निरीक्षण करें, ताकि एडवाइजरी के उल्लंघन की कोई संभावना न रहे. इसके साथ ही निजी फार्मेसियों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जा रहा है. इन कार्यवाहियों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों के संदर्भ में किसी भी प्रकार की दवाओं का अनुचित या असावधानीपूर्वक उपयोग पूर्णतः बंद हो. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अभिभावकों से अनुरोध किया गया है कि वे बिना चिकित्सकीय परामर्श के अपने बच्चों को कोई भी दवा न दें।

बर्डपुर में उत्साहपूर्ण अनुशासन में निकला पथ संचलन, भरी संख्या में कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर बर्डपुर खण्ड के न्याय पंचायत बर्डपुर नंबर 8 में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। अनुशासन और उत्साह के साथ हजारों स्वयंसेवकों ने भाग लिया जिनका लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। घोष की धुन पर पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए हजारों स्वयंसेवकों ने करीब तीन किमी के पथ संचलन में भाग लिया तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक इसकी व्यवस्था में लगे। पथ संचलन को देखने के लिए लोग सड़क किनारे उमड़े।

पथ संचलन में बाल से लेकर प्रौढ़ स्वयंसेवक शामिल रहे। वयोवृद्ध स्वयंसेवकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। वहीं इस दौरान मुख्य वक्ता विभाग सह कार्यवाह हरिश्चंद्र अग्रहरि ने संघ के उद्देश्य और शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष की अनुभूति हर स्वयंसेवक में नई ऊर्जा व दायित्व का बोध करा रही है। विजयदशमी पर वर्ष 1925 में नागपुर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी।

इस दौरान जिला कार्यवाह शिवेंद्र सिंह, खण्ड कार्यवाह आनंद अविनाश, पूर्व मंडल अध्यक्ष नितेश पाण्डेय, सबलू साहनी, रामकुमार जायसवाल, दिलीप मोदनवाल, विजय जायसवाल, सत्येंद्र दूबे, डॉ मयंक, एस के सिंह, डॉ पी पी उपाध्याय, सूर्यप्रकाश, आशीष मिश्र, जय सिंह यादव, राजकमल जायसवाल, राजू जायसवाल, फूलचंद्र, जितेंद्र जायसवाल, अजय उपाध्याय, राजेंद्र विश्वकर्मा, पुनीत जायसवाल, श्रवण दुबे, मंगलेश शुक्ला, विजय जायसवाल, प्रदीप गोस्वामी, मनीष कुमार, कुशल कुमार, जयराम, विनय वर्मा, महेश कुमार, राजकुमार चौधरी, दिलीप कन्नौजिया सहित भारी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

लापरवाही या कामचोरी! UP की स्कूलों से 'डिजिटली लापता' हुए 10,569 बच्चे, RTE का सपना कैसे होगा पूरा?

उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में एक गंभीर लापरवाही सामने आई है, जहां लखनऊ के 1,618 प्राइमरी स्कूलों में नामांकित करीब 1.75 लाख बच्चों में से 10,569 बच्चे यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (UDISE+) पोर्टल के 'ड्रॉप बॉक्स' में अटके हुए हैं. ये बच्चे बीच सत्र में पढ़ाई छोड़ चुके हैं या पास होकर अगली कक्षा में शिफ्ट हो गए हैं, लेकिन नए स्कूलों ने उनका डेटा पोर्टल पर डाला नहीं गया है. नतीजतन, ये 'डिजिटल रूप से लापता' हो गए हैं. विभागीय अधिकारी अब इन बच्चों को खोजने के लिए शिक्षकों पर भारी दबाव डाल रहे हैं, यहां तक कि वेतन रोकने की चेतावनी तक दे रहे हैं।

UDISE+ पोर्टल शिक्षा मंत्रालय का एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो छात्रों का नामांकन, ट्रांसफर, ड्रॉपआउट और प्रोग्रेशन ट्रैक करता है. हर बच्चे का डिजिटल डेटा, जैसे पिन नंबर, आधार, जन्मतिथि इसमें दर्ज होता है. जब कोई बच्चा नया स्कूल जॉइन करता है, तो नए स्कूल को 'ड्रॉप बॉक्स' से उनका विवरण आयात करना होता है, जिससे डेटा स्वचालित रूप से अपडेट हो जाता है. लेकिन 27 सितंबर को बेसिक शिक्षा अधिकारी (BSA) कार्यालय ने चिन्हित किया कि नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में 10,569 बच्चों का डेटा अभी भी ड्रॉप बॉक्स में पड़ा है. सबसे अधिक प्रभावित चिनहट ब्लॉक है, जहां 1,691 बच्चे अटके हैं। ये आंकड़े न केवल विभाग की डिजिटल साक्षरता की कमी उजागर करते हैं, बल्कि बच्चों की शिक्षा की निरंतरता पर भी सवाल खड़े करते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे डेटा गैप से सरकारी योजनाओं जैसे मिड-डे मील, छात्रवृत्ति या RTE (राइट टू एजुकेशन) जैसी योजनाएं प्रभावित होती हैं।

संक्षिप्त खबरें

मिशन शक्ति 5-0 के अंतर्गत नारी सुरक्षा सम्मान नारी स्वावलंबन के तहत नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा किया गया सम्मान

भदोही/सुरियावां 6 सितंबर 2025 सोमवार को मिशन शक्ति 5-0 नारी सुरक्षा सम्मान नारी स्वावलंबन व बाल्मीकि जयंती के अवसर पर नगर पंचायत सुरियावा के अध्यक्ष विनय चौरसिया द्वारा नगर पंचायत चुनाव में कार्यरत महिला सफाई कर्मियों को अंग वस्त्र,प्रशस्ति पत्र एवं माला पहनकर सम्मानित किया तथा उनके द्वारा किए गए कार्यो की काफी प्रशंसा किया तथा उन्होंने महिला को नारी शक्ति का प्रतीक बताया इस मौके पर नगर पंचायत कर्मी आलोक मिश्रा बाबू, ओमप्रकाश तिवारी, रतन बाबू यादव, संदीप मिश्रा दान बहादुर सहित कर्मचारी मौजूद रहे।

25 हजार के इनामी गैंगेस्टर को पुलिस ने मुंबई एयरपोर्ट से दबोचा

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधी पकड़ो अभियान के तहत थाना भलुअनी व थाना सुरौली की संयुक्त टीम ने 25 हजार रुपये इनामी गैंगेस्टर चन्दन यादव पुत्र राजेन्द्र निवासी सिंहपुर, थाना भलुअनी को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट सहित कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के प्रकरण में कोतवाली पुलिस ने नामजद अभियुक्त को किया गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की कोतवाली पुलिस ने मु0अ0सं0-0923/2025 धारा 65(2),115(2),351(2) बीएनएस व 5(रू)/6 पाक्सो एक्ट में वांछित देवेन्द्र कुमार कुशवाहा पुत्र रामनाथ निवासी सिंधी मिल कालोनी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त पर आरोप है कि उसने विद्यालय की छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी है। पुलिस ने विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

देवरिया। महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति फेज-5 और शक्ति दीदी अभियान के तहत देवरिया पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर हरिराम यादव और बरहज अंशुमन श्रीवास्तव सहित सभी थानों की मिशन शक्ति व एंटी रोमियो टीमों ने स्कूलों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों 1090, 112, 181, 1098, 1076, 102, 108 आदि के बारे में जानकारी दी और पंपलेट वितरित किए।

शराब सेल्समैन के साथ मारपीट करने पर तीन पर दलित उत्पीड़न का केस

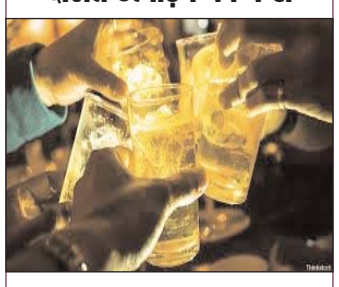

लालगंज, प्रतापगढ़। शराब खरीदने को लेकर हुए विवाद का वीडियो वायरल होने से सोमवार को लीलापुर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ दलित उत्पीड़न समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। लीलापुर थाना के साहबगंज बाजार में अंग्रेजी शराब की दुकान है। रविवार की रात दुकान पर करीब दस बजे एक बाइक पर तीन युवक पहुंचे। आरोपियों द्वारा तुलापुर मुल्तानीपुर निवासी सेल्समैन सुशील कुमार रजक से शराब खरीदने के दौरान विवाद शुरू कर दिया गया। आरोप है कि युवकों द्वारा सेल्समैन से गाली गलौज व मारपीट की गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को देखकर पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा। सेल्समैन की तहरीर पर आरोपी त्रिलोकपुर विसई निवासी शेषकुमार सरोज, अमित मिश्रा व कल्याण सिंह के खिलाफ दलित उत्पीड़न मारपीट व गाली गलौज का केस दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक मनोज पांडेय का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनका शांतिभंग में चालान किया गया है।

श्रीभूमि जिले के सूनाइपाड़, पेछायाला, बिहाइरडाला गांव के लोग जल जीवन मिशन की सुविधा से वंचित! पीने के पानी नहीं मिलने से परेशान

● विकासात्मक कार्य के नमूने में तीन वर्षों से पानी की आपूर्ति बंद है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

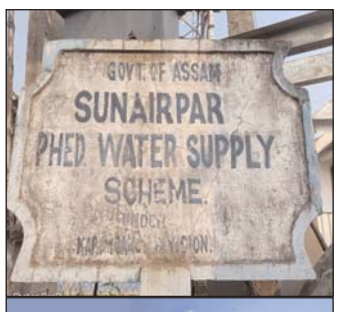

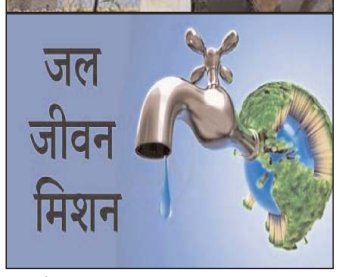

श्रीभूमि- मौजूदा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' इस नारे के माध्यम से विकास के उद्देश्य से प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्र में विकासात्मक कार्यों के लिए गुणवत्ता वाली शिक्षा, पीने का पानी, स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये आवंटित कर रही है, ताकि विकासात्मक कामों में सामान्य जनता की समस्याओं का समाधान हो सके। इसी लक्ष्य के साथ विभिन्न गांवों में जलजीवन मिशन के माध्यम से कई करोड़ रुपये जल परियोजनाओं में विभिन्न स्थानों पर जनता की सुविधा के लिए खर्च किए जा रहे हैं। पाथारकांडी पीएचई उप-विभाग के तहत सूनाईपाड़ में पीएचई/जल जीवन मिशन संयंत्र लगाया गया है लेकिन आज तक बंद है सेवा। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कई गाँवों सूनाईपाड़, पेछायाला, बिहाइरडाला में पीने के पानी की आपूर्ति लगातार तीन वर्षों से बंद है। ग्रामीण नागरिकों ने शिकायत की है कि जनता की सुविधा के लिए वर्तमान सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च कर पेयजल परियोजनाओं का निर्माण किया है, फिर भी ये परियोजनाएं क्षेत्र की शोभा बढ़ाने के अलावा किसी और काम नहीं आ रही हैं। इसके परिणामस्वरूप गाँव के निवासी पेयजल की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं।

कई को कष्ट उठाते हुए तालाब या ट्यूबवेल के पानी पर जीवन यापन करना पड़ रहा है। जनस्वास्थ्य तकनीकी विभाग की उदारता के बावजूद इस पेयजल परियोजना की यह दुर्दशा है। परिणामस्वरूप, कई गांव के लोगों को कठिनाई सहनी पड़ रही है। इस संबंध में, गाँववासियों ने शीघ्र ही इस परियोजना को चालू करने और सरकार के 'हर घर नल, हर घर जल' नारे को वास्तविक रूप देने के लिए लोकप्रिय प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा समेत विभागीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। ताकि जनकल्याण की दृष्टि से लोगों की सुविधा के लिए उचित व्यवस्था अपनाई जाए और जल जीवन मिशन के माध्यम से परियोजना को चालू किया जाए।

इटली में दर्दनाक हादसा, ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार भारतीय नागरिकों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दक्षिणी इटली के मटेरा शहर में एक सड़क हादसे में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई. सोमवार (6 अक्टूबर) को रोम स्थित भारतीय दूतावास ने इस बात की जानकारी दी. बताया जा रहा है कि मृतक 6 अन्य लोगों के साथ एक कार में सवार थे. इसी दौरान कार एक ट्रक से टकरा गई जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं 6 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए. रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा बीते शनिवार को स्कान्जानो जोनिको इलाके में हुआ, जब 10 लोगों को ले जा रही एक सात-सीटर कार ट्रक से टकरा गई. बताया जा रहा है कि पीड़ित सात सीटों वाली रेनॉल्ट सीनिक कार में छह अन्य लोगों के साथ सवार थे. उनकी कार शनिवार को एग्री घाटी के मटेरा शहर के स्कैनजानो जोनिको नगरपालिका क्षेत्र में एक ट्रक से टकरा गई. जिससे चार भारतीय नागरिकों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती

कराया गया है।

भारतीय दूतावास ने हादसे पर जताया दुख

हादसे में मारे गए लोगों की पहचान कुमार मनोज (34), सिंह सुरजीत (33), सिंह हरविंदर (31) और सिंह जसकरण (20) के रूप में हुई है. भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, 'भारतीय दूतावास दक्षिणी इटली के मटेरा में एक सड़क दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की दुखद मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करता है.

हादसे में जख्मी 6 लोग अस्पतला में भर्ती

इसके आगे दूतावास ने बताया 'हम विवरण प्राप्त करने के लिए स्थानीय इतालवी अधिकारियों के संपर्क में हैं. दूतावास संबंधित परिवारों को हर संभव कांसुलर सहायता प्रदान करेगा'. वहीं एएनएसए ने बताया कि पांच घायलों को पोलिकोरो (माटेरा) के अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जबकि छठे और गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को पोटेंजा के सैन कार्लो अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

इससे पहले नागपुर के व्यवसायी और पत्नी की हुई थी मौत

इससे पहले इटली में नागपुर के एक कारोबारी और उनकी पत्नी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. वहीं उनके बच्चे घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मृतक की पहचान नागपुर के प्रसिद्ध होटल व्यवसायी जावेद अख्तर और उनकी पत्नी नादिरा गुलशन के रूप में हुई थी. इस हादसे में उनकी बेटी आरजू अख्तर, दूसरी बेटी शिफा और बेटे जाजेल भी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं. . यह दुर्घटना इटली के ग्रोसेटो के पास ओरिलिया (Aurelia) राजमार्ग पर हुई थी।

एलन मस्क बोले- 'Q R कोड से नफरत है!' इंटरनेट पर छिड़ी नई बहस, क्या आएगा अगला टेक्नोलॉजी ट्रेंड?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- टेस्ला और X (पहले ट्विटर) के मालिक एलन मस्क ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है. इस बार वजह है त्क्रकोड से उनकी नफरत. मस्क ने एक्स (X) पर एक स्वीडिश पत्रकार पीटर इमानुएल्सन के पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि वे कभी भी Q R कोड मेन्यू से खाना ऑर्डर नहीं करेंगे. उनके इस बयान के बाद इंटरनेट पर लोगों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. कोई त्क्रकोड को सुविधा मान रहा है, तो कोई मस्क की बात से पूरी तरह सहमत दिखा।

रेस्तरां के लिए QR कोड सस्ता, लेकिन मस्क को पसंद नहीं

मस्क का इशारा उन त्क्रकोड्स की ओर था, जो रेस्तरां में मेन्यू दिखाने और ऑर्डर लेने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं. यह तरीका रेस्तरां के लिए आसान और सस्ता होता है, क्योंकि बार-बार प्रिंटिंग का खर्च

नहीं उठाना पड़ता. लेकिन मस्क को यह तकनीक 'झंझट भरी' लगती है. उनका कहना है कि वे डिजिटल ऑर्डरिंग के लिए त्क्रकोड पर निर्भर नहीं रहना चाहते. इससे कई लोगों में जिज्ञासा बढ़ गई है कि क्या मस्क खुद कोई नया टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन लेकर आने वाले हैं?

यूजर्स ने सुझाए दिलचस्प विकल्प

मस्क के ट्वीट के बाद एक्स पर यूजर्स ने उन्हें तरह-तरह के सुझाव दिए. एक यूजर ने कहा कि अगर मस्क को त्क्र कोड पसंद नहीं, तो वॉइस मेन्यू सिस्टम बनाया जा सकता है, जहां ग्राहक सिर्फ बोलकर ऑर्डर दे सकें. कुछ ने मजाक में कहा कि मस्क शायद ग्रोक वॉइस मेन्यू नाम से नया सिस्टम लॉन्च करेंगे. वहीं, कुछ लोगों ने सुझाव दिया कि Q R कोड को आकर्षक डिजाइन या स्माइली के रूप में बनाया जा सकता है, ताकि वह देखने में खराब न लगें।

लोगों की मिली-जुली राय, सोशल मीडिया पर गरमाया मुद्दा

मस्क के बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. कुछ लोगों ने कहा कि त्क्र कोड डिजिटल युग की सबसे आसान खोजों में से एक है, जिससे रेस्तरां तुरंत मेन्यू बदल सकते हैं. लेकिन कई यूजर्स ने मस्क की बात का समर्थन किया और कहा कि हर जगह Q Rकोड देखना परेशान करता है. एक यूजर ने मजेदार टिप्पणी की- 'जब मैं वेबसाइट अपने फोन पर खोल रहा हूं, तो उसी फोन से Q Rस्कैन कैसे करूं?' अब देखना यह दिलचस्प होगा कि एलन मस्क इस नफरत को नए आविष्कार में कब और कैसे बदलते हैं।

राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने गृहमंत्री शाह को लिखा पत्र, बोले- कार्रवाई होनी ही चाहिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायपुर- छत्तीसगढ़ में राजनीतिक माहौल एक बार फिर गर्मा गया है। केरल में पूर्व ABVP नेता पिंटू महादेव द्वारा टीवी डिबेट के दौरान राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने के बयान से देशभर में बवाल मच गया है। इस बयान के विरोध में रायपुर के सिविल लाइन थाने में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की।

रायपुर में कांग्रेस का 5 घंटे तक हंगामा

रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता और नेताओं ने सिविल लाइन थाने का घेराव कर पिंटू महादेव की गिरफ्तारी की मांग की। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि जब भाजपा नेताओं पर टिप्पणी होती है तो तुरंत एक्शन लिया जाता है, लेकिन राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने वाले नेता पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि यह कानून और संविधान का उल्लंघन है। सिविल लाइन सीएसपी रमाकांत साहू ने कहा कि मामले की जांच के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने करीब पांच घंटे तक थाने में धरना दिया और बाद में लौट गए।

क्या है पूरा मामला

26 सितंबर को केरल के एक न्यूज चैनल पर लद्दाख हिंसा को लेकर लाइव डिबेट चल रही थी। इस दौरान भाजपा की तरफ से बोलने आए पूर्व ABVP नेता पिंटू महादेव ने कहा कि 'राहुल गांधी को सीने में गोली मार दी जाएगी।' इस बयान के तुरंत बाद देशभर में कांग्रेस नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई और मामले को विधानसभा तक पहुंचा दिया।

केरल में FIR दर्ज, आरोपी की तलाश

केरल कांग्रेस कमेटी (KPCC) के सचिव श्रीकुमार सी.सी. की शिकायत पर पेरामंगलम पुलिस ने पिंटू महादेव के खिलाफ स्नद्धक्रदर्ज कर ली है और उसकी तलाश जारी है। वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि अगर आरोपी पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो इसे सरकारी मिलीभगत माना जाएगा।

भाजपा पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि भाजपा ने कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा दी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भाजपा नेताओं के खिलाफ बयान होता है तो तुरंत FIR होती है, लेकिन राहुल गांधी को गोली मारने की धमकी देने पर सरकार चुप है।' हाल ही में CRPF ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। एजेंसी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर बताया कि राहुल गांधी पिछले 9 महीनों में 6 बार बिना सूचना विदेश गए। यह यात्राएं इटली, वियतनाम, दुबई, कतर, लंदन और मलेशिया की थीं। CRPF ने कहा कि Z+ कैटेगरी सुरक्षा में यह गंभीर चूक है और इससे सुरक्षा खतरा बढ़ सकता है।

धरा पंचायत में भ्रष्टाचार का करंट, पुराना टांग कर किया खेल ।- पंचायत भवन अंधेरे में डूबा

जेई और ठेकेदार पर उठे सवाल- जनता का पैसा जमा, फिर भी जली नहीं विकास की बत्ती!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। यमुनानगर क्षेत्र के शंकरगढ़ ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत धरा में विद्युत विभाग की लापरवाही और भ्रष्टाचार की पोल खुल गई है। पंचायत भवन में नया ट्रांसफार्मर लगवाने के नाम पर विभाग और ठेकेदार ने ऐसा खेल खेला कि जनता के पैसों से खरीदी गई रोशनी अंधेरे में गायब हो गई। अक्टूबर 2024 में पंचायत भवन धरा में नया 10 केवी ट्रांसफार्मर लगाने के लिए विद्युत उपकेंद्र लालापुर में एग्रीमेंट कराया गया था और 11 नवंबर 2024 को 83,310 की पूरी राशि जमा कर दी गई थी। ग्रामीणों और ग्राम प्रधान को भरोसा था कि जल्द ही पंचायत भवन में बिजली की व्यवस्था दुरुस्त हो जाएगी, लेकिन विभाग की कारगुजारी कुछ और ही निकली—नया ट्रांसफार्मर तो आया ही नहीं, उल्टा पुराना ट्रांसफार्मर टांग दिया गया।

जानकारी के अनुसार 29 मार्च 2025 को नैनी विद्युत स्टोर से नया ट्रांसफार्मर और उसके उपकरण ठेकेदार शोनू सिंह को उपलब्ध कराए गए थे, लेकिन यह ट्रांसफार्मर रहस्यमय ढंग से कहीं गायब हो गया। इसके बाद 13 अगस्त 2025 तक ट्रांसफार्मर का कोई पता नहीं चला और 14 अगस्त को पंचायत भवन से करीब 50 मीटर दूर एक पुराना ट्रांसफार्मर टांग दिया गया। अब बड़ा सवाल यह है कि जब नया ट्रांसफार्मर खरीदा गया था, उसका पैसा जमा था और एग्रीमेंट भी हो चुका था, तो फिर पुराना ट्रांसफार्मर लगाने का मतलब क्या है? क्या ठेकेदार शोनू सिंह ने JE शिवधर यादव को कहा था कि पुराने ट्रांसफार्मर से काम चलाओ या फिर JE ने स्वयं मिलीभगत कर यह भ्रष्टाचार किया? अगर ठेकेदार ने ऐसा कहा तो यह नियमविरुद्ध है और अगर JE शिवधर यादव ने बिना आदेश के पुराना ट्रांसफार्मर टांग दिया तो यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और सरकारी धन की हेराफेरी का गंभीर मामला है।

ग्रामीणों का कहना है कि या तो ठेकेदार और JE दोनों ने मिलकर नया ट्रांसफार्मर गायब किया या फिर किसी ने पैसे लेकर पुराने से काम चला दिया। ग्राम प्रधान मनोज कुमारी ने इस पूरे मामले में कई बार लालापुर के छुश्व शिवधर यादव से संपर्क किया। जब प्रधान ने पूछा कि नया ट्रांसफार्मर कहां गया और पंचायत भवन में बिजली क्यों नहीं जोड़ी गई, तो छुश्व ने बेरुखी से जवाब दिया— "हमारा काम खत्म हो गया, अब हमें कुछ नहीं करना।" यह जवाब सुनकर ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जब सरकार ने नया ट्रांसफार्मर स्वीकृत कर धन जारी किया, तो पुराने ट्रांसफार्मर से काम करना सीधा धोखा है। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत एक्सियन और एसडीओ विद्युत विभाग से भी की, परंतु महीनों बीतने के बाद भी कोई

कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों की यह चुप्पी भ्रष्टाचार की मिलीभगत की ओर साफ इशारा करती है। पंचायत भवन धरा लंबे समय से अंधेरे में डूबा हुआ है। न तो बैठकें हो पा रही हैं, न सरकारी योजनाओं की समीक्षा, न डिजिटल कार्य। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगेगा, तब तक गांव का विकास अंधेरे में ही रहेगा। ग्रामीणों ने साफ कहा है कि अगर JE शिवधर यादव और ठेकेदार शोनू सिंह के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि "सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुँचने से पहले ही लूट लिया जा रहा है। अगर जांच हुई तो बड़े घोटाले का पर्दाफाश होगा।" ग्रामीणों की मांग—"या तो नया ट्रांसफार्मर लगवाओ या जिम्मेदारों को निलंबित करो।" अब सवाल उठता है कि जब जनता का पैसा जमा है, नया एग्रीमेंट हुआ है, तो पुराना ट्रांसफार्मर लगाने की इजाजत किसने दी? क्या ठेकेदार और छुश्व ने मिलकर सरकारी धन पर डाका नहीं डाला? कब तक ऐसे अधिकारी जनता की मेहनत की कमाई पर भ्रष्टाचार की बिजली जलाते रहेंगे जबकि पंचायतें अंधेरे में सिसकती रहेंगी?

जनपदीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता में बेसिक शिक्षा के बच्चों ने दिखाया दमखम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में सोमवार को आयोजित जनपद स्तरीय एथेलेटिक्स चयन एवं ट्रायल प्रतियोगिता बेसिक शिक्षा विभाग के इटवा ब्लॉक की संयोजन में आयोजित हुआ। जिला ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। दौड़, लम्बी, ऊंची कूद, डिस्कस, गोला क्षेपण, रिले रेस विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। पूमावि कठमोरवा खेसरहा की बालिका संजना, बयारी इटवा की कुसुमलता, लेदवा शोहरतगढ़ की साक्षी, मेनका तथा बालक वर्ग में भनवापुर के कृष्ण पाल, खेसरहा के शरमुल्लाह एवं लोटन के आशीष आदि ने बेहतर खेल प्रदर्शन कर गोल्ड एवं सिल्वर मेडल हासिल किया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया। कहा कि प्रधानमंत्री ने खेल प्रोत्साहन के लिये बेहतर कदम उठाया है। दूरदराज ब्लॉक क्षेत्रों से आये बालक व बालिकाओं को सांसद खेल महोत्सव सहित अन्य खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए अभिप्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन नियाज़ कपिलवस्तुवी ने किया। इस दौरान प्रतियोगिता कार्यक्रम के संयोजक बीईओ इटवा राजेश कुमार, बीइओ कमला प्रसाद, शिवनादर फाउंडेशन जिला कोआर्डिनेटर कार्तिकेय पांडेय, जिला

व्यायाम शिक्षक उपेन्द्र नाथ उपाध्याय, चन्दमणि, सत्येन्द्र गुप्ता, रविन्द्र गुर्जर, मुस्तन शेरुल्लाह, जीशान खलील, सौम्य सोनकर, आलोक श्रीनेत, रंभा मिश्रा, महविश, बदरूद्दीन खाँ, अजय बरनवाल सुभाष वरुण, बसन्तु, सुग्रीम यादव, सुखबीर, राजेन्द्र कुमार, राजकुमार, राकेश जायसवाल, पृथ्वी पाल, केसरी, प्रेम चंद आदि लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में मिलावटखोरों पर सरकार सख्त, स्वास्थ्य मंत्री ने फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट को दिए निरीक्षण के निर्देश दिए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हारों के मौके पर खाद्य पदार्थों मिलावट होना कोई नई बात नहीं है. दुकानदार पनीर, खोया, मिठाई समेत कई चीजों में मिलावट करते हैं. इस बीच त्योहारी सीजन को देखते हुए दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने आज सोमवार (6 अक्टूबर) को खाद्य सुरक्षा विभाग, दिल्ली सरकार के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की. इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट को निर्देश दिए कि पूरी दिल्ली में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाए, ताकि त्योहारों के दौरान बिकने वाले पनीर, खोया, मिठाई, मसाले समेत सभी खाद्य पदार्थ सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों पर पूरी तरह खरा उतरें. स्वास्थ्य विभाग और फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीमें मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार छापेमारी की कार्रवाई में जुटी हैं।

खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली में चल रहे चल रहे सघन निरीक्षण अभियान के दौरान अधिकारियों ने 20 खाद्य पदार्थों के नमूने एकत्रित किए हैं, जिनमें विशेष रूप से पनीर, खोया, मिठाई और मसालों के सैंपल्स दिल्ली के अलग-अलग इलाकों और

मंडियों से जांच के लिए एकत्र किए गए हैं। इसके अतिरिक्त रॉ मीट (नॉन-वेज) उत्पादों के 139 नमूने भी जांच के लिए एकत्र किए गए हैं. फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने आश्वासन दिया है कि सभी खाद्य वस्तुओं की बेहद सख्त निगरानी और जांच की जा रही है, ताकि त्योहारों के दौरान दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य की पूर्ण रूप से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बोतल बंद पानी की जांच के आदेश

स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि सभी ब्रांड्स की बोतल बंद पानी की भी गहनता से जांच की जाए, क्योंकि बाजार में कई ऐसे मिलावटी ब्रांड सक्रिय हैं. मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक ब्रांड को खाद्य सुरक्षा मानक एवं गुणवत्ता प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य है. उन्होंने निर्देश दिया है कि एक ही नाम से चल रही ब्रांडेड मिठाई दुकानों की चेन का भी बारीकी से निरीक्षण किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि दुकानों में बिक रहे सभी खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप हों और अपने सभी आउटलेट्स पर गुणवत्ता के मानकों को एक समान रूप से बनाए रखें।

दिल्ली में चल रहा छापेमारी अभियान

वहीं खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह को भरोसा दिया कि पूरी दिल्ली में जमीनी स्तर पर निरीक्षण और छापेमारी अभियान सख्ती से चलाया जा रहा है, जिसमें दिल्ली पुलिस का भी पूरा सहयोग मिल रहा है. अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त निरीक्षण और प्रवर्तन की कार्रवाई में पुलिस टीमें भी त्वरित कार्रवाई करने में जुटी हैं।

'लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी'

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बीजेपी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि त्योहारों के दौरान राजधानी के प्रत्येक नागरिक स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों का सेवन करें. उन्होंने साफ कहा कि खाद्य सुरक्षा में किसी भी प्रकार की मिलावट और अधिकारियों की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

चीन का छद्म खेल: ताइवान के जलक्षेत्र में किया गजब ड्रामा, बड़ी चालाकी से परखी दुश्मन की ताकत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन ने ताइवान जलक्षेत्र में एक सुनियोजित ड्रामा रचा। फर्जी जहाज संकेत भेजकर न सिर्फ पानी में अराजकता फैलाई, बल्कि चुपके से यह परखा कि ताइवान की निगरानी और प्रतिक्रिया कितनी मज़बूत है। ताइवान की तटरेखा पर हालिया घटनाक्रम ने साफ़ कर दिया कि यह कोई साधारण नौवहन गतिविधि नहीं थी, बल्कि चालाकी से रचा गया रणनीतिक प्रयोग था। चीन ने मछली पकड़ने वाले जहाजों के जरिए फर्जी संकेत प्रसारित कर के एक मंच तैयार किया – जहां वह ताइवान के रक्षा-तंत्र की सतर्कता, सूचना-संवेग और प्रतिक्रिया का डीटेल्ड ऑडिट कर रहा था। यह 'ड्रामा' समुद्री इलाकों में दबाव बनाकर नींव से परखने की गहरी चाल थी। चीन के कुछ जहाजों ने ताइवान के जलक्षेत्र में फर्जी संकेत भेजकर यह देखा कि ताइवान कैसे

प्रतिक्रिया करता है। इसे 'संज्ञानात्मक युद्ध' की रणनीति कहा जा रहा है।कई चीनी मछली पकड़ने वाले जहाजों ने फर्जी AIS (ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) संकेत भेजे। इनमें से एक जहाज ने खुद को रूसी युद्धपोत और एक ने चीनी कानून प्रवर्तन जहाज दिखाया। अगस्त और सितंबर में ये जहाज लगातार ताइवान स्ट्रेट में घुमते रहे और फर्जी संकेत भेजते रहे।

रिपोर्ट के अनुसार, चीन इस तरीके से ताइवान की जानकारी प्रणाली और उसकी रक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया को परख रहा है। कई जहाजों ने एक ही समय और जगह पर फर्जी संकेत भेजे, जो एक संगठित रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। ये जहाज संभवतः चीनी मरीटाइम मिलिशिया के हैं, जो चीन अक्सर निगरानी और दबाव डालने के लिए इस्तेमाल करता है। 15 से 17 सितंबर के बीच, चीनी कोस्ट गार्ड के जहाजों ने किनमेन काउंटी के प्रतिबंधित जलक्षेत्र में प्रवेश किया, जिससे ताइवान की सुरक्षा पर और दबाव पड़ा। जिस तरह किसी थिएटर में पर्दे के पीछे की चालें नाटक की असली नियोजित कहानी बताती हैं, उसी तरह ताइवान जलक्षेत्र में हाल की फर्जी ढ्ढस् गतिविधियाँ चीन के 'संज्ञानात्मक युद्ध' के नए अध्याय का पर्दाफाश कर रही हैं। रूसी युद्धपोत बन कर दिखने वाले संकेत, कानून प्रवर्तन जहाजों का नक़ली परिचय ये सब केवल भ्रम फैलाने के तरीके नहीं, बल्कि एक सुनियोजित परीक्षा हैं– किस वजह से ताइवान हिलता है, किस सूचना पर वह तत्काल प्रतिक्रिया देता है और किन कमजोरियों को शत्रु आगे इस्तेमाल कर सकता है।